आश्विन शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 65 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 27-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल चुनाव के बाद नई सरकार 'सोनार बांग्ला' गौरव बहाल करे : शाह

6 लेह-लद्दाख की शांति में आग लगाने की कुचेष्टा

7 जीवन में दूसरे मौके बहुत महत्वपूर्ण होते हैं : अनुपम खेर

फर्स्ट टेक

भारतीय नौसेना ने सेना के साथ किया संयुक्त जल-थल अभ्यास 'जल प्रहार'

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय नौसेना ने सेना के साथ समन्वय में द्विवार्षिक संयुक्त जल-थल अभ्यास 'जल प्रहार' का सफलतापूर्वक संचालन किया है। पूर्वी नौसेना कमान की एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अभ्यास का उद्देश्य भारत के पूर्वी समुद्र तट पर जल-थल संचालन में अंतर-सेवा तालमेल, अभियानगत योजना और कार्यान्वयन को बढ़ाना है। बृहस्पतिवार देर रात जारी विज्ञप्ति में कहा गया, ''भारतीय नौसेना ने भारतीय सेना के साथ निकट समन्वय में आयोजित द्विवार्षिक संयुक्त अभ्यास जल प्रहार को सफलतापूर्वक संपन्न किया।'' यह अभ्यास दो चरणों, बंदरगाह चरण और समुद्री चरण में आयोजित किया गया और 16 से 23 सितंबर तक जारी रहा।

भाजपा का दूसरा नाम 'पेपर चोर': राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की परीक्षा के कथित पेपर लीक को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दूसरा नाम 'पेपर चोर' है। उन्होंने कहा कि वह इस लड़ाई में उत्तराखंड के युवाओं के साथ मजबूती से खड़े हैं। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज भाजपा का दूसरा नाम है - पेपर चोर। देशभर में बार-बार होने वाले पेपर लीक ने करोड़ों मेहनती युवाओं की ज़िंदगी और सपनों को तबाह कर दिया है। उत्तराखंड का उत्तराखंड एसएससी पेपर लीक इसका ताज़ा उदाहरण है। लाखों युवाओं ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन भाजपा ने चोरी से उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया।'' उन्होंने कहा, ''हम लगातार मांग कर रहे हैं कि पेपर लीक रोकने के लिए मज़बूत और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाए। लेकिन मोदी सरकार इस पर आंखें मूंदकर बैठी है, क्योंकि उन्हें युवाओं की बेरोज़गारी की नहीं, बल्कि अपनी सत्ता की चिंता है।''

भारत को दुर्लभ खनिज के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि वर्तमान वैश्विक स्थिति को देखते हुए देश को दुर्लभ खनिज के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। मुर्मू ने यहां 'राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार' 2024 में कहा कि इससे भारत को विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी और यह देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, '' वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत दुर्लभ खनिज के उत्पादन में आत्मनिर्भर बने।''

दुर्लभ खनिज स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ये तत्व इसलिए दुर्लभ नहीं हैं क्योंकि इनकी उपलब्धता कम है बल्कि इन तत्वों की पहचान की प्रक्रिया बहुत जटिल है। स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास से इस जटिल प्रक्रिया को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह कृत्रिम मेधा, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी का युग है। दुर्लभ खनिज (आरईई) 17 रासायनिक रूप से समान धात्विक तत्वों का एक समूह है जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और पवन टर्बाइन सहित आधुनिक प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि खान मंत्रालय पर्यावरण अनुकूल उपायों एवं नवाचार के लिए प्रतिबद्ध है। खनन क्षेत्र एआई, मशीन लर्निंग और ड्रोन-आधारित सर्वेक्षण को बढ़ावा दे रहा है। खदानों से निकलने वाले अवशेषों से मूल्यवान तत्वों की प्राप्ति पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष देश के कई हिस्सों में बादल फटने और भूस्खलन के कारण लोगों को काफी नुकसान हुआ है। ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के बारे में समय पर जानकारी प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, '' भूवैज्ञानिक समुदाय से मेरी अपील है कि वे बाढ़, भूस्खलन, भूकंप और सूनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के अनुसंधान पर अधिक ध्यान दें।''

राष्ट्रपति ने भूवैज्ञानिकों से ऐसी प्रौद्योगिकी विकसित करने का अनुरोध किया जिससे आम लोगों को इन प्राकृतिक आपदाओं के बारे में समय पर चेतावनी दी जा सके।

'जीएसटी 2.0' से अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार : सिंधिया

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों (जीएसटी 2.0) ने देश की आर्थिक गतिविधियों को नई रफ्तार दी है। इस फैसले से उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता बढ़ी है और विक्रेताओं की बिक्री में वृद्धि हुई है। उन्होंने विपक्षी दलों के इन सुधारों की आलोचना करने को उनकी 'आंतरिक नकारात्मकता' बताते हुए खारिज कर दिया। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैंने कई दुकानों का दौरा किया और दुकानदारों तथा ग्राहकों से बातचीत की। हर जगह सकारात्मकता का माहौल है।'' उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों ने कम और सरल करों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि को एक नई रफ्तार दी है।

केआरएस बांध के वृंदावन उद्यान में कावेरी आरती शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में की जाने वाली 'गंगा आरती' की तर्ज पर यहां कृष्ण राजा सागर बांध के वृंदावन उद्यान में कावेरी नदी के लिए कावेरी आरती कार्यक्रम शुक्रवार को शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम दो अक्टूबर तक शाम में होगा। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों के बीच पुजारियों के एक समूह द्वारा आरती की गई। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सिद्धगंगा मठ के सिद्धलिंग स्वामीजी और कुछ अन्य संतों के साथ कावेरी आरती कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मंड्या जिले के प्रभारी मंत्री एन. चेलुवरायास्वामी, कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज एस. तंगडगी सहित अन्य भी मौजूद रहे। जल संसाधन विभाग का प्रभार संभाल रहे शिवकुमार के कार्यालय ने कहा है कि कावेरी आरती देखने आने वाले पर्यटकों को मुफ्त लड्डू बांटे जाएंगे।

सोनम वांगचुक कड़े एनएसए के तहत गिरफ्तार

विपक्ष ने लगाया तानाशाही का आरोप

लेह/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शुक्रवार को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई लद्दाख को राज्य का दर्जा और संवैधानिक संरक्षण देने की मांग पर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दो दिन बाद हुई है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 घायल हुए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने वांगचुक को लद्दाख से बाहर भेज दिया है जबकि लद्दाख प्रशासन ने एहतियाती कदम के तौर पर लेह जिले के अधिकार क्षेत्र में सभी मोबाइल इंटरनेट कनेक्शन काट दिए हैं। तेजी से बदलते घटनाक्रम में वांगचुक की गिरफ्तारी अचानक हुई। उन्हें दोपहर ढाई बजे लेह में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करना था लेकिन उनके निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने से आयोजक चिंतित हो गए। जल्द ही पता चला कि पुलिस महानिदेशक एस डी सिंह जामवाल के नेतृत्व में लद्दाख पुलिस के एक दल ने जलवायु कार्यकर्ता को उनके गांव उलियाकतोपो से गिरफ्तार कर लिया है। वांगचुक को तत्काल लद्दाख से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया। आयोजकों ने इसके बाद निर्धारित प्रेस वार्ता जारी रखी, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि हालिया हिंसा नियंत्रण से बाहर हुए युवाओं के कारण हुई लेकिन इसके पीछे किसी विदेशी हाथ के शामिल होने की बात को सिरे से खारिज कर दिया।

मिग-21 ने सैन्य विमानन यात्रा में कई गौरवशाली क्षण जोड़े : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मिग-21 केवल एक विमान या मशीन नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय गौरव और भारत एवं रूस के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण है। राजनाथ ने छह दशक से भी अधिक समय तक भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे मिग-21 को शुक्रवार को सेवामुक्त किए जाने के बीच यह टिप्पणी की। रूस निर्मित मिग-21 लड़ाकू विमानों को 1963 में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था।

राजनाथ ने कहा कि मिग-21 की 60 साल से अधिक की यात्रा बेजोड़ है और इस विमान ने दशकों तक देश की सुरक्षा का भार अपने पंखों पर उठाए रखा तथा हमारे आत्मविश्वास को आकार दिया और हमारी रणनीति को मजबूत किया।

रक्षा मंत्री चंडीगढ़ वायु सेना स्टेशन पर मिग-21 को सेवामुक्त किए जाने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

भारतीय वायु सेना के युद्ध बेड़े की रीढ़ रहे प्रसिद्ध मिकोयान-गुरेविच मिग-21 लड़ाकू विमान ने शुक्रवार को अंतिम बार भारतीय आकाश में उड़ान भरी और इसी के साथ इसके 62 साल लंबे सफर का समापन हो गया।

राजनाथ ने सेवामुक्ति समारोह के स्थल के रूप में चंडीगढ़ के विशेष महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वही स्थान है, जहां मिग-21 को देश के पहले सुपरसोनिक दस्ते नंबर 28 स्क्वाड्रन में शामिल किए जाने के साथ ही भारत की सुपरसोनिक यात्रा की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा, यह स्थान उस गौरवशाली अध्याय का साक्षी है, जिसने भारत की वायु शक्ति को नयी पहचान दी।

समारोह में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में एक शानदार फ्लाईपास्ट किया गया, जो एक दुर्लभ और प्रतीकात्मक संकेत था, जिससे इस शानदार विमान के प्रति भारतीय वायु सेना का गहरा सम्मान प्रदर्शित होता है।

लद्दाख हिंसा की न्यायिक जांच होनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली/लेह/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान चार युवकों की मौत की घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे सहयोगी नवांग रिग्जिन जोरा ने लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल को पत्र लिखकर 24 सितंबर को हुए विरोध प्रदर्शन में चार युवकों के मारे जाने की घटना की न्यायिक जांच की मांग की है।'' बीते बुधवार को लेह शहर में राज्य के दर्जे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 90 अन्य घायल हो गए। राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान हिंसा भड़क उठी थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गयी।

27-09-2025 सूर्यास्त 6:12 बजे | 28-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,426.46	24,654.70
(-733.22)	(-236.15)

सोना	चांदी
11,828 रु.	145,350 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रोको संतति

चाहे कितने हों संसाधन,
सीमाएं फिर भी है निश्चित।
धरती की अपनी मर्यादा,
इससे संयुक्त सभी के हित।
यदि ना संभले दोहन करते,
तो महा समर है संभावित।
रोको संतति की प्रचुर वृद्धि,
करना होगा इसको सीमित।।

भारत के साथ 'समग्र' वार्ता के लिए तैयार है पाकिस्तान : प्रधानमंत्री शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ ''समग्र, व्यापक और परिणामोन्मुखी'' बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत की आलोचना भी की। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र की आम बहस को संबोधित करते हुए शरीफ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया और दावा किया कि मई में चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान ''सात भारतीय विमान क्षतिग्रस्त हुए थे।'' एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने पिछले महीने कहा था कि भारतीय विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को शुरू किए गए इस अभियान के दौरान भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया था। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान ''बातचीत और कूटनीति के जरिए विवादों के शांतिपूर्ण समाधान'' में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, ''दुनिया भर के राष्ट्रों की इस प्रतिष्ठित सभा के समक्ष यह मेरा सबसे ईमानदार और गंभीर प्रस्ताव है। पाकिस्तान सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ एक समग्र, व्यापक और परिणामोन्मुखी वार्ता के लिए तैयार है।''

यह समग्र वार्ता 2003 में शुरू हुई थी जब जनरल परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे। इसके आठ खंड थे, जिनमें दोनों देशों के बीच के सभी विवादास्पद मुद्दे शामिल थे। 2008 के मुंबई हमलों के बाद यह वार्ता पटरी से उतर गई और फिर बहाल नहीं हो पाई।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारत ने की है जबरदस्त प्रगति : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है।

गडकरी ने यहां 'भारत अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क अवसंरचना देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। इसमें पांच लाख करोड़ रुपए के निवेश से 10,000 किलोमीटर लंबे 25 नए एक्सप्रेसवे का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ होता है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। हम सड़क निर्माण में शहरी कचरे का इस्तेमाल करके और हरित ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहनों एवं 'स्क्रैपिंग' नीति को बढ़ावा देकर नवाचार कर रहे हैं।'' गडकरी ने कहा, ''हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है..विकास एवं पर्यावरण को साथ-साथ चलना होगा। तीन 'पी'- पीपल (लोग), प्रॉस्पेरिटी (समृद्धि) और प्लेनेट (ग्रह) के मार्गदर्शन में हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित, हरित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत का निर्माण करना है।''

इस कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के मुख्य महाप्रबंधक सुनील जिंदल ने कहा कि पिछले दशक में एनएचएआई ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। खर्च सात गुना बढ़ गया है, निर्माण की गति 35 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है तथा 50,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग एवं 830 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

गाजा पर समझौता जल्द

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें लगता है कि गाजा में जारी जंग को रोकने के लिए अमेरिका एक समझौता कराने के बेहद करीब है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत ''बंधकों को वापस लाया जा सकेगा और युद्ध समाप्त हो जाएगा।'' ट्रंप ने व्हाइट हाउस के लॉन में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि गाजा पर हमारा समझौता करीब-करीब तय हो गया है। ट्रंप ने बार-बार यह संकेत दिया है कि हमास के साथ इजराइल के युद्ध को रोकने के लिए समझौता जल्द ही होने वाला है।

इजराइल को गाजा में हमास के खिलाफ 'काम खत्म करना ही होगा' : नेतन्याहू

संयुक्त राष्ट्र/एपी। संयुक्त राष्ट्र में आलोचकों और प्रदर्शनकारियों से घिरे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को दुनिया के नेताओं से कहा कि इजराइल को गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करना ही होगा। उन्होंने गाजा में विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने से इनकार करने पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में एक मुखर भाषण दिया।

नेतन्याहू ने कहा, ''पश्चिमी नेता दबाव में झुक गए होंगे। और मैं आपको एक चीज की गारंटी देता हूं। इजराइल नहीं झुकेगा।''

शुक्रवार को जब वह भाषण देने ही वाले थे, तब कई देशों के प्रतिनिधि संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल से सामूहिक रूप से बाहर चले गए। उन्होंने इसके बाद संबोधन शुरू किया।

फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने के देशों के हालिया फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए नेतन्याहू ने कहा, आपका यह शर्मनाक फैसला यहूदियों और हर जगह निर्दोष लोगों के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देगा।

जैसे ही इजराइली नेता ने बोलना शुरू किया, हॉल में हल्का शोर सुनाई दे रहा था। कुछ लोगों ने तालियां भी बजाईं।

साड़ियों की चोरी पकड़ी जाने पर महिला की हुई पिटाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु से एक हैरान करने वाली घटना प्रकाश में आई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें शुक्रवार को बेंगलूरु के व्यस्त बाजार में एक महिला पर हमला होता दिखाया गया है। महिला पर 90 हजार रुपए की साड़ी चुराने का भी आरोप लगा है। मामले में पुलिस ने पिटाई करने के आरोपी एक दुकानदार को भी गिरफ्तार किया है।

इस पूरे प्रकरण में एक वीडियो में एक महिला को बुरी तरह से पीटते हुए दो व्यक्ति दिखाई देते हैं। पुलिस ने बताया कि चिकपेट क्षेत्र के एवेन्यू रोड स्थित एक दुकान में ग्राहक बन कर आई हंपम्मा नामक एक महिला साड़ियों का एक बंडल चुरा लेती है लेकिन वह उसे लेकर भागने में कामयाब नहीं हो पाती है। रंगे हाथ व्यापारी व उसके सहयोगी द्वारा उसे पकड़ लिया जाता है और दुकानदार उसकी लात घूसों से पिटाई कर देता है। व्यस्त इलाका होने के कारण कई ऐंगल से यह घटना लोगों के मोबाइल पर रिकार्ड होजाती है और सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है। दुकान के सीसीटीवी फोटोज में महिला को साड़ियों के बंडल की चोरी करते देखा जा सकता है। इसके बाद वह बंडल लेकर दुकान के बाहर निकलती है और दुकानदार उसे पकड़ लेता है। गुस्से में आकर उस दुकान के मालिक ने महिला को वहीं सड़क कर

घसीटा और पुलिस को सौंपने के पहले कई बार पीटा। आसपास के लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बनाया।

पुलिस ने इस मामले में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। एक महिला के खिलाफ चोरी का मामला तो वहीं दूसरा दुकानदार के खिलाफ महिला को बुरी तरह पीटने का। पुलिस ने दुकानदार और दुकानदार के सहायक तथा महिला को हिरासत में ले लिया है।

सार्वजनिक पेट्रोलियम कंपनियों के कम बाजार मूल्यांकन से सरकार नाखुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

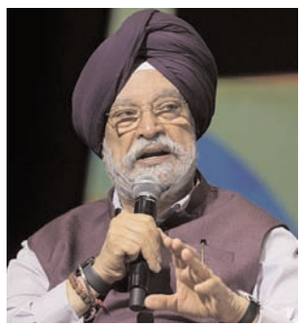

मुंबई/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों का निवेशक समुदाय द्वारा कम मूल्यांकन किए जाने पर नाखुशी जताई। पुरी ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि सरकार दक्षता बढ़ाने के लिए इन सार्वजनिक तेल कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी की आंशिक बिक्री पर विचार कर सकती है लेकिन इनके पूर्ण निजीकरण का कोई इरादा नहीं है।

इसके साथ ही पेट्रोलियम मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेश लिमिटेड (बीपीसीएल) को बेचने की कोई भी योजना नहीं है।

देश में बीपीसीएल को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियां हैं। इनमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि तीनों पेट्रोलियम कंपनियों ने पिछले छह वर्षों में कुल 2.5 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। इसके बावजूद इनकी संयुक्त बाजार पूंजी स्विगी और जोमैटो जैसी ऑनलाइन आपूर्ति कंपनियों के बराबर है, जिन्होंने 24,000 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया है।

पुरी ने कहा, इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल ने पिछले वर्ष भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र के कुल मुनाफे का 3.3 प्रतिशत योगदान दिया जबकि इनका बाजार मूल्य एक प्रतिशत से कम है। हमें लगता है कि इन सार्वजनिक पेट्रोलियम कंपनियों का मूल्यांकन कम हुआ है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकारी स्वामित्व होने से निवेशक इन कंपनियों को एक संकीर्ण नजरिये से देख रहे हैं।

रूस से तेल खरीदने पर कोई प्रतिबंध नहीं: हरदीप पुरी

मुंबई/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि रूस से कच्चे तेल की खरीद पर कोई प्रतिबंध नहीं है और आपूर्ति बाधित होने पर दुनिया को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ईरान और वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में हमेशा पाबंदियों का अनुपालन किया है।

अमेरिका के भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा रूस से कच्चा तेल एवं हथियार खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने के संदर्भ में मंत्री ने यह बा कही। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार नीतियों पर जारी महत्वपूर्ण वार्ता के बीच संवाददाताओं से बातचीत में पुरी ने कहा कि रूस हर दिन करीब एक करोड़ बैरल के साथ विश्व स्तर पर कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। उन्होंने आगाह किया कि यदि आपूर्ति बाधित होती है तो विश्व को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

महाराष्ट्र में बारिश एक आपदा, सरकार से निर्णायक कार्य की अपेक्षा: शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में भारी बारिश से हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस आपदा ने किसानों को तबाह कर दिया और ग्रामीण जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से राहत एवं पुनर्वास प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने कहा कि इस आपदा ने न केवल फसलों को नष्ट किया बल्कि बड़े पैमाने पर जानवरों की भी मौत हुई है, जिससे कृषक समुदाय गंभीर संकट में है। उन्होंने कहा, इस प्राकृतिक आपदा का असर केवल किसानों तक ही सीमित नहीं है। छोटे व बड़े व्यवसाय, कारीगर, खेतिहर मजदूर और गांवों में पारंपरिक बलूतेदार और पिछड़े समुदायों के सदस्य भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पवार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डालते हुए ईंधन व आवश्यक खाद्य आपूर्ति की भारी कमी की ओर इशारा किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को तत्काल सक्रिय व सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, बीमारियों के फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है और स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी देरी के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लगातार दौरों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के दौरों ने प्रशासन का ध्यान नुकसान का आकलन करने और राहत उपायों को लागू करने के बजाय प्रोटोकॉल संबंधी दायित्वों को पूरा करने पर केंद्रित कर दिया है। पवार ने चेतावनी देते हुए कहा, इन यात्राओं के कारण आकलन में देरी हो रही है, जिसके कारण राहत कार्य धीमा हो रहा है।

केंद्र ने बाढ़ प्रभावित तीन राज्यों के 27 लाख किसानों को पीएम-किसान के तहत 540 करोड़ रुपए दिए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को तीन बाढ़ प्रभावित राज्यों - हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के 27 लाख किसानों को पीएम-किसान योजना के तहत 540 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी की। पीएम-किसान योजना एक केंद्रीय योजना है, जिसे प्रधानमंत्री ने फरवरी 2019 में भूमिधारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया था।

इस योजना के तहत, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में तीन समान किस्तों में हर साल 6,000 रुपए दिए जाते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ''केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त जारी करने की घोषणा की।''

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में खाद्य नियामकों की महत्वपूर्ण भूमिका: नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के मद्देनजर उपभोक्ताओं के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में विभिन्न देशों के खाद्य नियामकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। मंत्री ने यहां भारत मंडपम में वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2025 के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन का विषय 'विकसित खाद्य प्रणालियां - 'यथा अन्नम तथा मन' है, जो भोजन की गुणवत्ता और मन के स्वास्थ्य के बीच संबंध को दर्शाता है। एक सरकारी बयान के अनुसार, नड्डा ने अपने उद्घाटन भाषण में आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में खाद्य सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, वे दिन अब चले गए जब हर देश और स्थानीय आबादी अपने आप को घरेलू स्तर पर उत्पादित खाद्य पदार्थों तक ही सीमित रखती थी। आज दुनिया के एक हिस्से में जो कुछ भी उत्पादित होता है, वह दूसरे हिस्सों में भी उपलब्ध होता है। नड्डा ने कहा कि इस वजह से, खाद्य सुरक्षा के मानक केवल अनुपालन के बारे में नहीं है, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वैश्विक खाद्य प्रणालियों में विश्वास पैदा करने के संदर्भ में है। उन्होंने कहा, यह आज की वैश्वीकृत और परस्पर जुड़ी दुनिया में ऐसे मंचों के महत्व को रेखांकित करता है।

कार्बन मुक्त डेटा केंद्र रोजगार, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देंगे : श्रीपद येसो नाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने बृहस्पतिवार को कहा कि कार्बन मुक्त डेटा केंद्र न केवल रोजगार सृजित करेंगे बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण प्रणालियों के स्वदेशी विनिर्माण को भी बढ़ावा देंगे।

केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में कार्बन मुक्त ऊर्जा पर प्रथम डेटा सेंटर शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उद्योग संगठन नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) द्वारा अमेजन के साथ साझेदारी में आयोजित कार्यक्रम में नाइक ने कहा, ''देश में निर्मित प्रत्येक नया कार्बन-मुक्त डेटा सेंटर हरित रोजगार सृजित करेगा, नवीकरणीय और भंडारण प्रणालियों के स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देगा और डिजिटल-ऊर्जा अभिसरण के लिए नए व्यावसायिक मॉडल तैयार करेगा।

मंत्री ने कहा कि देश में डिजिटल क्रांति और स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को अब एक साथ आना चाहिए। भारत का दृढ़ विश्वास है कि ऊर्जा बदलाव का मतलब सिर्फ मेगावाट और गीगावाट नहीं है। इसका असली मतलब नौकरियां, कौशल और नवाचार हैं।

एनएसईएफआई के अनुसार, कार्बन-मुक्त डेटा केंद्र वे होते हैं जो अपनी सभी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सौर, पवन और ऊर्जा भंडारण जैसे नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन स्रोतों से संचालित होते हैं या उनका उपयोग करते हैं।

छत्तीसगढ़: रायपुर में इस्पात संयंत्र में हादसा, पांच लोगों की मौत

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में स्थित एक इस्पात संयंत्र में हुए हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है तथा पांच अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक लाल उम्मेद सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शहर के बाहरी इलाके सिलतरा क्षेत्र में स्थित गोदावरी इस्पात संयंत्र में हुए हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए हैं।

सिंह ने बताया कि आज जब संयंत्र के कर्मचारी और श्रमिक संयंत्र में काम कर रहे थे, तब छत जैसा भारी ढांचा वहां काम कर रहे लोगों पर गिर पड़ा जिसमें दबकर पांच लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल को मौके पर भेजा गया। इसके बाद घायलों और शवों को अस्पताल भेजा गया। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर उपस्थित हैं।

उन्होंने बताया कि घटनास्थल में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ाने के लिए बीईई ने नए मानकों का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली/भाषा। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने यात्री वाहनों के लिए नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-3' (कैफे-3) मानक प्रस्तावित किए हैं जो वाहन कंपनियों को साझा प्रयास करने, छोटे कारों को छूट देने और फ्लेक्स-ईंधन, हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक मॉडलों को भी शामिल करने की सुविधा देता है। बीईई के बृहस्पतिवार को जारी आदेश के मुताबिक, वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ाने के नए मानक एक अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक लागू होंगे। देश में फिलहाल कैफे-2 मानक लागू हैं।

प्रस्तावित कैफे-3 नियमों के तहत, साल भर में औसत ईंधन खपत के मानक को पूरा करने के लिए अधिकतम तीन वाहन विनिर्माता आपस में मिलकर एक 'पूल' भी बना सकते हैं। इस स्थिति में पूल को एक वाहन विनिर्माता ही माना जाएगा। हालांकि एक वाहन विनिर्माता केवल एक पूल में ही शामिल हो सकता है। पूल के 'पूल प्रबंधक' के रूप में नामित विनिर्माता पूल के संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा। वही ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत लगाए गए किसी भी जुर्माने का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा। नए मानक फ्लेक्स-ईंधन वाहन (एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से चलने वाले) और इलेक्ट्रिक वाहन को भी कैफे-3 मानकों के दायरे में शामिल करते हैं। इन्हें कॉरपोरेट औसत ईंधन खपत मानक 2027-32 (कैफे 2027) कहा जाएगा। बीईई ने प्रस्तावित नियमों पर 21 दिनों के भीतर संबंधित पक्षों से टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

भारत में पर्सनल कंप्यूटर क्षेत्र में उद्योग के लिए व्यापक अवसर: एचपी इंडिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एचपी भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक इप्सिता दासगुप्ता ने कहा कि भारत में पर्सनल कम्प्यूटर (पीसी) का प्रसार 20% तक है और यहां वृद्धि के व्यापक अवसर हैं। उन्होंने कहा इस प्रसार के साथ उद्योग को हर घर और कार्यस्थल में पीसी उपलब्ध कराने के लिए नई रणनीतियों की तलाश करनी चाहिए।

दासगुप्ता ने कहा कि भारत की जीडीपी वृद्धि, दुनिया की सबसे युवा आबादी में एक होना और वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े जीसीसी केंद्र के रूप में इसका प्रभाव, इसे दुनिया के दूसरे बाजारों से अलग करता है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''बाजार हमारी अपेक्षा से धीमी गति से बढ़ रहा है, लेकिन जो बात इस बाजार को एक बड़ा अवसर बनाती है, वह है पीसी का कम प्रसार। भारत में पीसी का प्रसार 20 प्रतिशत से भी कम है।'' दासगुप्ता ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार में पीसी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए काफी अवसर हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उद्योग को यह सुनिश्चित करने के लिए नये तरीके सोचने की जरूरत है कि हम हर घर और हर व्यवसाय तक पीसी पहुंचाने में मदद करें।'' दासगुप्ता ने एचपी के खासतौर से भारत के लिए आंकड़े साझा नहीं किए, लेकिन कहा कि वाणिज्यिक क्षेत्र में वृद्धि काफी मजबूत रही है, जबकि उपभोक्ता क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एचपी की वृद्धि बाजार के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने से हुई है।

जीएसटी में कटौती से त्योहारों में ऑनलाइन बाजार की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी कटौती के चलते मौजूदा त्योहारों में उपभोक्ता अधिक खरीदारी कर रहे हैं। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्योहारी मांग 23-25 प्रतिशत तक बढ़ी है। जीएसटी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी महंगी श्रेणियों में कीमत कम हुई है। नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी सुधारों ने बड़े स्क्रीन वाले टीवी, मध्यम श्रेणी के फैशन और फर्नीचर सहित कई श्रेणियों में कर दरों में कमी की है। इससे उपभोक्ताओं को सीधे मूल्य लाभ मिला है। इन बदलावों ने खरीदारों को छूट की तलाश से आगे बढ़कर अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे मझोले और छोटे शहरों से भागीदारी बढ़ी है और सोच-विचार कर किए जाने वाले खर्च में वृद्धि को बढ़ावा मिला है।

बाजार शोध फर्म रेडसीर के अनुसार बड़े टीवी पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से खुदरा कीमतों में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे प्रीमियम मॉडल की मांग बढ़ी है।

इसी तरह 2,500 रुपए से कम कीमत वाली फैशन वस्तुओं पर अब सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, जिससे इस परिधानों की खरीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह फर्नीचर की बिक्री भी बढ़ी है।

रेडसीर ने कहा, ''पहले दो दिनों की बिक्री में सालाना आधार पर 23-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी 2.0 सुधारों और त्योहारी माहौल की दोहरी ताकतों ने प्रीमियम स्मार्टफोन और टीवी की खरीदारी में तेजी ला दी।''

'नमो भारत' ट्रेन से एक घंटे से भी कम समय में तय की जा सकेगी दिल्ली से मेरठ की दूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चांदनी चौक के परांठे, मोदीनगर की शिकंजी और मेरठ की गजक अब दिल्ली और मेरठ के लोगों के लिए एक घंटे से भी कम समय में पहुंच में होंगे। 'नमो भारत' क्षेत्रीय त्वरित पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) कॉरिडोर के खुलने से यह संभव हो पा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अनुसार, दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर भैसाली स्टेशन बनने से मेरठ के मिठाई बाजारों में भी ज्यादा पर्यटकों के आने की उम्मीद है। शहर की त्योहारी परंपराओं से जुड़े रेवड़ी और गजक, बाहरी लोगों के लिए भी आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।

एनसीआरटीसी के मुताबिक, कॉरिडोर के खुलने से खेल प्रेमियों को भी फायदा होगा, क्योंकि भारत के खेल सामान निर्यात का करीब 40 प्रतिशत मेरठ से होता है। अधिकारियों ने कहा कि सुरजकुंड रोड स्थित मुख्य खेल बाजार 'बेगमपुल' स्टेशन से जुड़ जाएगा, जहां क्रिकेट बैट, हॉकी स्टिक, जिम उपकरण आदि का कारोबार होता है। एनसीआरटीसी ने बताया कि शहीद स्मारक, औघड़नाथ मंदिर, शाही जामा मस्जिद, शाही ईदगाह और शाहपीर साहब की दरगाह जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों तक मेरठ सेंट्रल और मेरठ साउथ स्टेशनों के जरिए पहुंचा जा सकेगा। एनसीआरटीसी के मुताबिक, औपनिवेशिक दौर की धरोहरों जैसे सेंट जॉन चर्च और दिगंबर जैन मंदिर तक भी पहुंच बेहतर होगी।

एनसीआरटीसी ने कहा कि दिल्ली के आनंद विहार से मेरठ साउथ तक की यात्रा 'नमो भारत' ट्रेन से केवल 35 मिनट में पूरी हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह सेवा यात्रियों के लिए दोनों शहरों में सांस्कृतिक धरोहरों, खान-पान के प्रमुख केंद्रों और ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंच आसान बना रही है। एनसीआरटीसी ने कहा कि दिल्ली के निवासी 'नमो भारत' ट्रेन पकड़कर मोदीनगर नॉर्थ पहुंच सकते हैं और मशहूर 'जैन शिकंजी' की शिकंजी का स्वाद ले सकते हैं, वहीं मेरठ से आने वाले यात्री आनंद विहार पर स्टेशन पर इंटरचेंज के बाद चांदनी चौक पहुँचकर परांठे वाली गली के परांठों का लुत्फ उठा सकते हैं।

एनसीआरटीसी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना' के तहत 'मल्टी-मोडल इंटीग्रेशन' परियोजना का अहम हिस्सा है, जिससे नमो भारत को दिल्ली मेट्रो और सिटी बस सेवा से जोड़ा जा रहा है। मेरठ मेट्रो खंड पर परीक्षण जारी है, जिसे इस कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा।

दिल्ली से मेरठ साउथ तक 55 किलोमीटर लंबे परिचालित खंड में 11 स्टेशन हैं। पूरी तरह चालू होने पर यह सेवा पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देगी और यात्रा समय घटाकर सांस्कृतिक एवं वाणिज्यिक केंद्रों तक पहुंच आसान करेगी।

न्यायालय ने हरित पटाखे बनाने की सशर्त मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने प्रमाणित विनिर्माताओं को इस शर्त पर हरित पटाखे बनाने की शुक्रवार को अनुमति दे दी कि उनकी बिक्री दिल्ली-एनसीआर में बिना मंजूरी के नहीं की जाएगी।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र से दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखों के विनिर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध पर नये सिरे से विचार करने को भी कहा। पीठ ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) को अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले दिल्ली सरकार, पटाखा विनिर्माताओं और विक्रेताओं सहित सभी हितधारकों से परामर्श करने का निर्देश दिया। पीठ में न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया भी शामिल थे। न्यायालय ने आदेश दिया, ''इस बीच, हम उन विनिर्माताओं को पटाखे बनाने की अनुमति देते हैं, जिनके पास नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान) और पेसो (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) के प्रमाणन हैं। हालांकि, इसके लिए विनिर्माताओं को इस न्यायालय के समक्ष यह शपथ पत्र देना होगा कि वे इस न्यायालय के अगले आदेश तक निषिद्ध क्षेत्रों में अपने पटाखे नहीं बेचेंगे।'' पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आठ अक्टूबर को याचिका पर फिर से सुनवाई होने तक प्रमाणित विनिर्माताओं को हरित पटाखे बनाने की सशर्त अनुमति देने का आदेश दिया गया।

यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है कि इससे पहले 3 अप्रैल को शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के विनिर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध में ढील देने से इनकार कर दिया था। शुक्रवार को, प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने ऐसी विनिर्माण इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों के आजीविका के अधिकार और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की हिमायत की कि इस तरह के पूर्ण प्रतिबंध का पूरी तरह से पालन शायद ही हो पाता है। ये आदेश दिल्ली-एनसीआर में पर्यावरण संबंधी चिंताओं से संबंधित एम. सी. मेहता की 1985 की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किये गए। पीठ ने कहा कि प्रदूषण पर अंकुश लगाना जरूरी है, लेकिन पूर्ण प्रतिबंध ''व्यावहारिक या आदर्श'' नहीं है। अदालत ने इसे बिहार में खनन पर प्रतिबंध के उदाहरण से समझाया, जिसने अनजाने में अवैध खनन माफियाओं को जन्म दिया। पीठ ने कहा, ''यह उपयुक्त होगा कि दिल्ली सरकार, पटाखा विनिर्माताओं और विक्रेताओं सहित सभी हितधारकों को साथ लेकर केंद्र सरकार कोई समाधान पेश करे। जैसा कि देखा गया है, पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद, प्रतिबंध लागू नहीं किया जा सका।'' आदेश में आगे कहा गया, ''जैसा कि हमने एक फैसले में देखा था, जिसमें बिहार राज्य में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध के कारण अवैध माफिया खनन के कारोबार में लिप्त हो गए थे। इस दृष्टि से, यह आवश्यक है कि एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाए।''

स्काउट या गाइड का असली पुरस्कार समाज की सेवा करना है : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र के दृष्टिकोण की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है, सेवाभावी, अनुशासित और देशभक्त युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है। राज्यपाल ने शुक्रवार को राजभवन में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, कर्नाटक द्वारा आयोजित जिला मुख्य आयुक्तों, जिला सचिवों और लीडर प्रशिक्षकों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि, स्काउट या गाइड का सच्चा पुरस्कार समाज की सेवा करने में निहित है।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की सदियों पुरानी विरासत पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने युवाओं में शारीरिक फिटनेस, नैतिक मूल्यों, नेतृत्व गुणों और समर्पण की भावना को बढ़ावा देने के लिए संगठन की प्रशंसा की। सेवा ही धर्म है के सिद्धांत से प्रेरित, यह आंदोलन आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, रक्तदान अभियान, स्वच्छता अभियान और अन्य सामुदायिक सेवाओं जैसी पहलों के माध्यम से कर्नाटक में सामुदायिक जुड़ाव का एक प्रतीक बन गया है।

इस अवसर पर, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। कर्नाटक भर में इस आंदोलन को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले नेताओं को भी सम्मानित किया गया। श्री थावरचंद गहलोत ने कहा, यह सम्मान आपके अथक परिश्रम और समर्पण का प्रतीक है। स्काउटिंग और गाइडिंग के मूल्यों को अपनाकर समाज के उत्थान की एक बड़ी ज़िम्मेदारी आपके ऊपर है।

स्काउटिंग के संस्थापक रॉबर्ट बेडेन-पॉवेल और स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए, राज्यपाल ने राष्ट्र निर्माण में चरित्र, निष्ठा, सेवा और संगठनात्मक भावना के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हमारे युवाओं को इन्हीं आदर्शों के साथ गढ़ने में अनुकरणीय कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनकी टीम के नेतृत्व में आंदोलन के प्रभावी कार्यान्वयन की सराहना करते हुए, राज्यपाल ने सभी सदस्यों से निःस्वार्थ सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने और जहां भी आवश्यकता हो, योगदान देने के लिए सदैव तैयार रहने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त पीजीआर सिंधिया, डॉ. एम. मोहन अल्वा और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हिंदी दिवस कार्यक्रम के विरोध में होटल में घुसे कन्नड़ समर्थक संगठन के 41 सदस्य गिरफ्तार

बेंगलूरु। यहां हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के विरोध में एक पांच-सितारा होटल में जबरन घुसने और हंगामा करने के आरोप में एक कन्नड़ समर्थक संगठन के 41 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके बाद कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने शनिवार से राज्य के सभी 31 जिलों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें मांग की गई है कि उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले वापस लिए जाएं और उन्हें रिहा किया जाए। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय की राजभाषा समिति ने होटल में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें छह संसद सदस्यों ने भाग लिया था, तभी बृहस्पतिवार को कन्नड़ समर्थक संगठन के सदस्य होटल में घुस आए। कार्यक्रम के खिलाफ नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह बैठक गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने का प्रयास है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, संसदीय राजभाषा समिति ने 23 से 25 सितंबर तक यहां रेसकोर्स रोड स्थित होटल में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके अंतिम दिन कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ बजे शुरू हुआ। बैठक के अंतिम दिन सत्र सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ। इसमें कहा गया है, ''सुबह लगभग 10:45 से 11 बजे के बीच एक संगठन के लगभग 30 से 40 सदस्य बैठक के एजेंडे के विरोध में अवैध रूप से आयोजन स्थल में घुस आए और उन्होंने उपस्थित सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डाली तथा हंगामा किया। इससे कार्यक्रम में अस्थायी रूप से व्यवधान उत्पन्न हुआ।''

पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और स्थिति को नियंत्रण में किया। परिणामस्वरूप, होटल में कार्यक्रम कुछ देर के लिए बाधित हुआ, लेकिन पुलिस के समय पर हस्तक्षेप के कारण यह पूरा हुआ। बयान में कहा गया है, हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। कुल 41 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर प्रथम एसीजेएम अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए केआरवी के प्रदेश अध्यक्ष टी ए नारायण गौड़ा ने कहा कि उन्होंने पुलिस और राज्य सरकार द्वारा केआरवी कार्यकर्ताओं पर लगाए गए झूठे मामलों के खिलाफ शनिवार से राज्य के सभी 31 जिलों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-प्रोक्यूरमेंट (आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: H-GS-UBL-05-2025-26
दिनांक: 19.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं (आईआरईपीएस) आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
स्वामिहल्ली और यशवंतनगर	रु. 56,28,47,110/-

रेलवे स्टेशनों पर एक अतिरिक्त लूपलाईन और संबंधित कार्य तथा सामान्य इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रिकल ट्रैक्शन और सिग्नल व दूरसंचार कार्यों का प्रावधान (संयुक्त कार्य)।
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.10.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति
PUB/508/AAF/PRB/SWR/2025-26 हुबली
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

विजय की जनसभाओं में भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद

नामक्कल (तमिलनाडु)। नामक्कल और करूर में शनिवार को अभिनेता-नेता विजय के प्रचार अभियान के लिए आने से पहले तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) ने जनसभाओं में बड़ी भीड़ उमड़ने की उम्मीद करते हुए विस्तृत व्यवस्था की है। मुख्य सड़कें पहले से ही बैनरों और पार्टी झंडों से सजी हुई हैं, और अपने नेता की एक झलक पाने के लिए सुबह से ही जुटने वाली भीड़ के लिए, टीवीके जिला शाखा शनिवार सुबह से 10,000 से अधिक पानी की बोतलों के निःशुल्क वितरण की व्यवस्था में जुटी है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि विजय की तस्वीर वाली बोतलें उन सभी इलाकों में पहुंचाई जाएंगी जहां वह जाने वाले हैं।

उन्होंने कहा, यहां त्योहार का माहौल है...हम इस अवसर को एक उत्सव की तरह मना रहे हैं। नागपट्टिनम और तिरुवरूर जिलों के अपने राजनीतिक दौरे के दौरान विजय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर उनकी विदेश यात्राओं, मछुआरों और किसानों के मुद्दों को लेकर निशाना साधा था। उन्होंने द्रमुक में स्टालिन परिवार के दबदबे को लेकर भी सवाल उठाए थे।

सरकार जाति आधारित गणना पर उच्च न्यायालय के निर्देश का पालन करेगी : शिवराज तंगडगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री शिवराज एस तंगडगी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में कराए जा रहे सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण (जिसे आमतौर पर जाति आधारित 'गणना' के नाम से जाना जाता है) के संबंध में उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करेगी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, लेकिन राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को एकत्रित आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखने और नागरिकों की स्वैच्छिक भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया जा रहा यह सर्वेक्षण सोमवार को शुरू हुआ और सात अक्टूबर तक चलेगा। गोपनीयता बनाए रखने के उच्च न्यायालय के आदेश के बारे में पूछे जाने पर तंगदागी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कानून का पालन करना हमारा कर्तव्य और जिम्मेदारी है। हम अदालत के निर्देश का पालन करेंगे।''

क्या सर्वेक्षण में लोगों की भागीदारी अनिवार्य है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''हमने (सरकार ने) भी यही कहा है, हमने कहा है कि सर्वेक्षण में भागीदारी स्वैच्छिक है। हमने पहले भी कोई बाध्यता नहीं रखी है और भविष्य में भी नहीं रखेंगे।'' मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने सर्वेक्षण के लिए नियुक्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि अगर वे गणना प्रक्रिया में भाग नहीं लेते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

तकनीकी और सर्वर संबंधी समस्याओं के कारण डेटा संग्रह का काम प्रभावित होने के कारण सर्वेक्षण की धीमी गति को लेकर चिंताएं जताई गई हैं। सूत्रों ने बताया कि घरों का दौरा करने वाले गणनाकर्ताओं को कई क्षेत्रों में सर्वेक्षण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल एप्लिकेशन में समस्याओं का सामना करना पड़ा है, जिसमें सर्वर में बाधा आना, ओटीपी जेनरेशन में विफलता और नेटवर्क कनेक्टिविटी से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। सर्वेक्षण को प्रभावित करने वाली तकनीकी गड़बड़ियों के बारे में पूछे जाने पर तंगाडगी ने कहा, ''इन्हें ठीक कर लिया जाएगा।''

सर्वेक्षण में लगभग 1.75 लाख गणनाकर्ता शामिल होंगे, जिनमें से अधिकांश सरकारी स्कूल के शिक्षक होंगे। सर्वेक्षण में राज्य भर के लगभग दो करोड़ घरों के करीब सात करोड़ लोगों को कवर किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस सर्वेक्षण पर 420 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और यह कार्य 60 प्रश्नों वाली प्रश्नावली के साथ वैज्ञानिक रूप से' किया जा रहा है। आयोग द्वारा दिसंबर तक सरकार को रिपोर्ट सौंपे जाने की उम्मीद है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
दशहरा उत्सव विशेष ट्रेन सेवाएं
भारतीय रेलवे ने दशहरा उत्सव के मद्देनजर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए निम्नलिखित विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने की अधिसूचना जारी की है। अधिक जानकारी के लिए, यात्रियों को आधिकारिक वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in पर जाने या 139 डायल करने की सलाह दी जाती है।

क्र.सं.	ट्रेन सं.	से	तक	ट्रिप	सेवा का दिन	अधिसूचित अवधि
1	07379	हुबली	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	मंगल	30.09.2025
2	06277	एसएमवीटी बेंगलूरु	विजयपुरा	01	मंगल	30.09.2025
3	06278	विजयपुरा	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	बुध	01.10.2025
4	06279	एसएमवीटी बेंगलूरु	विजयपुरा	01	गुरु	02.10.2025
5	06280	विजयपुरा	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	शुक्र	03.10.2025
6	06271	एसएमवीटी बेंगलूरु	बेलगावी	01	मंगल	30.09.2025
7	06272	बेलगावी	मैसूरु	01	बुध	01.10.2025
8	06273	मैसूरु	बेलगावी	01	गुरु	02.10.2025
9	06274	बेलगावी	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	शुक्र	03.10.2025
10	06275	एसएमवीटी बेंगलूरु	बेलगावी	01	शनि	04.10.2025
11	06276	बेलगावी	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	रवि	05.10.2025
12	06291	एसएमवीटी बेंगलूरु	बीदर	01	मंगल	30.09.2025
13	06292	बीदर	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	बुध	01.10.2025
14	06249	एसएमवीटी बेंगलूरु	मडगांव	01	मंगल	30.09.2025
15	06250	मडगांव	एसएमवीटी बेंगलूरु	01	बुध	01.10.2025
16	06587	यशवंतपुर	तलगुप्पा	03	शुक्र	29.09.25, 26.09.25, 03.10.25
17	06588	तलगुप्पा	यशवंतपुर	03	शनि	29.09.25, 26.09.25, 03.10.25
18	06284	मैसूरु	केएसआर बेंगलूरु	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
19	06285	केएसआर बेंगलूरु	अशोकपुरम	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
20	06286	अशोकपुरम	केएसआर बेंगलूरु	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
21	06287	केएसआर बेंगलूरु	मैसूरु	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
22	06288	मैसूरु	एसएमवीटी बेंगलूरु	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
23	06289	मैसूरु	चामराजनगर	07	शनि से शुक्र	27.09.2025 से 03.10.2025
24	06290	चामराजनगर	मैसूरु	07	शनि से शुक्र	27.09.2025 से 03.10.2025
25	06293	मैसूरु	चामराजनगर	01	गुरु	02.10.2025
26	06294	चामराजनगर	मैसूरु	01	गुरु	02.10.2025
27	06295	अरसीकेरे जं.	मैसूरु	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
28	06296	मैसूरु	अरसीकेरे जं.	06	शनि से गुरु	27.09.2025 से 02.10.2025
29	07339	हुबली - केएसआर बेंगलूरु	केएसआर बेंगलूरु - चामराजनगर	08	रविवार से रविवार तक	28.09.2025 से 05.10.2025
30	07340	चामराजनगर - केएसआर बेंगलूरु	केएसआर बेंगलूरु - हुबली	08	सोमवार से सोमवार तक	29.09.2025 से 06.10.2025
31	06523	एसएमवीटी बेंगलूरु	तिरुवनंतपुरम उत्तर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
32	06524	तिरुवनंतपुरम उत्तर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
33	06547	एसएमवीटी बेंगलूरु	तिरुवनंतपुरम उत्तर	03	बुध	17.09.2025 से 01.10.2025
34	06548	तिरुवनंतपुरम उत्तर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	गुरु	18.09.2025 से 02.10.2025
35	06555	एसएमवीटी बेंगलूरु	तिरुवनंतपुरम उत्तर	03	शुक्र	19.09.2025 से 03.10.2025
36	06556	तिरुवनंतपुरम उत्तर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	रवि	20.09.2025 से 05.10.2025
37	06539	एसएमवीटी बेंगलूरु	बीदर	06	शुक्र & रवि	19.09.2025 से 05.10.2025
38	06540	बीदर	एसएमवीटी बेंगलूरु	06	शनि & सोम	20.09.2025 से 06.10.2025
39	07315	हुबली	मुजफरपुर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
40	07316	मुजफरपुर	हुबली	03	गुरु	25.09.2025 से 09.10.2025
41	06211	मैसूरु	धर्मंगा जं.	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
42	06212	धर्मंगा जं.	मैसूरु	03	शनि	27.09.2025 से 08.10.2025
43	07311	वास्को-ड-गामा	मुजफरपुर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
44	07312	मुजफरपुर	वास्को-ड-गामा	03	गुरु	25.09.2025 से 09.10.2025
45	06529	एसएमवीटी बेंगलूरु	गोमटी नगर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
46	06530	गोमटी नगर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	शुक्र	26.09.2025 से 10.10.2025
47	06563	यशवंतपुर	धनबाद जं.	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
48	06564	धनबाद जं.	यशवंतपुर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
49	06281	मैसूरु	अजमेर जं.	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
50	06282	अजमेर जं.	मैसूरु	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
51	06559	एसएमवीटी बेंगलूरु	नारंगी	03	मंगल	16.09.2025 से 30.09.2025
52	06560	नारंगी	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
53	06597	यशवंतपुर	योग नगरी रिशिकेष	03	गुरु	18.09.2025 से 02.10.2025
54	06598	योग नगरी रिशिकेष	यशवंतपुर	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
55	07357	हुबली	रक्षाल जं.	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
56	07358	रक्षाल जं.	हुबली	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
57	07359	हुबली	बागलकोट	03	रवि	21.09.2025 से 05.10.2025
58	07360	बागलकोट	हुबली	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
59	06237	मैसूरु	रामनाथपुरम	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
60	06238	रामनाथपुरम	मैसूरु	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
61	06239	मैसूरु	तिरुनेलवेली जं.	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
62	06240	तिरुनेलवेली जं.	मैसूरु	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
63	06243	मैसूरु	कारैकुडी जं.	06	गुरु & शनि	18.09.2025 से 04.10.2025
64	06244	कारैकुडी जं.	मैसूरु	06	शुक्र & रवि	19.09.2025 से 05.10.2025
65	07355	हुबली	रामनाथपुरम	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
66	07356	रामनाथपुरम	हुबली	03	रवि	21.09.2025 से 05.10.2025
67	07339	हुबली	केएसआर बेंगलूरु	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
68	07340	केएसआर बेंगलूरु	हुबली	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
69	06545	यशवंतपुर	विजयपुरा	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
70	06546	विजयपुरा	यशवंतपुर	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
71	07329	हुबली	विजयपुरा	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
72	07330	विजयपुरा	हुबली	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
73	06509	केएसआर बेंगलूरु	दानापुर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
74	06510	दानापुर	केएसआर बेंगलूरु	03	बुध	24.09.2025 से 08.10.2025
75	06919	हुबली	विजयपुरा	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
76	06220	विजयपुरा	हुबली	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
77	06517	यशवंतपुर	हिंदूपुर	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
78	06518	हिंदूपुर	यशवंतपुर	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
79	07301	बेलगावी	मीरज जं.	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
80	07302	मीरज जं.	बेलगावी	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
81	07303	बेलगावी	मीरज जं.	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
82	07304	मीरज जं.	बेलगावी	07	प्रतिदिन	27.09.2025 से 03.10.2025
83	07363	हुबली	योग नगरी रिशिकेष	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
84	07364	योग नगरी रिशिकेष	हुबली	03	गुरु	25.09.2025 से 09.10.2025
85	02811	भुबनेश्वर	यशवंतपुर	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
86	02812	यशवंतपुर	भुबनेश्वर	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
87	07153	नरसापुर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	शुक्र	19.09.2025 से 03.10.2025
88	07154	एसएमवीटी बेंगलूरु	नरसापुर	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
89	05074	लाल कुआन	केएसआर बेंगलूरु	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
90	05073	केएसआर बेंगलूरु	लाल कुआन	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
91	03251	दानापुर	एसएमवीटी बेंगलूरु	06	रवि, सोम	21.09.2025 से 06.10.2025
92	03252	एसएमवीटी बेंगलूरु	दानापुर	06	मंगल, बुध	23.09.2025 से 08.10.2025
93	03259	दानापुर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
94	03260	एसएमवीटी बेंगलूरु	दानापुर	03	गुरु	25.09.2025 से 09.10.2025
95	02863	संत्रागछी जं.	यशवंतपुर	03	गुरु	18.09.2025 से 02.10.2025
96	02864	यशवंतपुर	संत्रागछी जं.	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025
97	05952	न्यू टिन्सुकिया जं.	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	गुरु	18.09.2025 से 02.10.2025
98	05951	एसएमवीटी बेंगलूरु	न्यू टिन्सुकिया जं.	03	रवि	21.09.2025 से 05.10.2025
99	08581	विशाखपट्टनम	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	रवि	21.09.2025 से 05.10.2025
100	08582	एसएमवीटी बेंगलूरु	विशाखपट्टनम	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
101	07033	नरसापुर	मैसूरु	06	सोम & शुक्र	19.09.2025 से 06.10.2025
102	07034	मैसूरु	नरसापुर	06	सोम & शनि	20.09.2025 से 07.10.2025
103	04131	कानपुर सेंट्रल	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	रवि	21.09.2025 से 05.10.2025
104	04132	एसएमवीटी बेंगलूरु	कानपुर सेंट्रल	03	बुध	24.09.2025 से 08.10.2025
105	03245	दानापुर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	बुध	24.09.2025 से 08.10.2025
106	03246	एसएमवीटी बेंगलूरु	दानापुर	03	शुक्र	26.09.2025 से 03.10.2025
107	08261	बिलासपुर जं.	येलहंका	03	मंगल	23.09.2025 से 07.10.2025
108	08262	येलहंका	बिलासपुर जं.	03	बुध	24.09.2025 से 08.10.2025
109	06103	तिरुनेलवेली जं.	शिवमोग्गा टाऊन	03	रवि	21.09.2025 से 05.10.2025
110	06104	शिवमोग्गा टाऊन	तिरुनेलवेली जं.	03	सोम	22.09.2025 से 06.10.2025
111	03241	दानापुर	एसएमवीटी बेंगलूरु	06	शुक्र & शनि	19.09.2025 से 04.10.2025
112	03242	एसएमवीटी बेंगलूरु	दानापुर	06	रवि & सोम	21.09.2025 से 06.10.2025
113	03247	दानापुर	एसएमवीटी बेंगलूरु	03	गुरु	18.09.2025 से 02.10.2025
114	03248	एसएमवीटी बेंगलूरु	दानापुर	03	शनि	20.09.2025 से 04.10.2025

PUB/511/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शन करने के लिए भाजपा पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु के गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए भाजपा पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह मामला इसलिए दर्ज किया गया है क्योंकि इसे कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश का उल्लंघन माना गया है जिसमें स्वतंत्रता पार्क को छोड़कर शहर में प्रदर्शन पर रोक लगाई गई है।

पुलिस ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा दिए गए विधिवत आदेश की अवज्ञा) और कर्नाटक पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सड़कों के गड्ढों और खराब हालत को उजागर करने के लिए 24 सितंबर को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

इस पर कार्रवाई करते हुए, पार्टी के जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूर्वाह्न 11.30 बजे गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र के आर टी स्ट्रीट पर सड़क को अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर एक बजे तक जारी रहे इस विरोध प्रदर्शन में गांधीनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष करुणाकर यादव, प्रदीप, जयराम और अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

पुलिस ने कहा कि बेंगलूरु शहर में विरोध प्रदर्शन और जुलूस पर रोक लगाने के उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क अवरुद्ध कर दी, जिससे जनता को असुविधा हुई और अदालत के निर्देशों का उल्लंघन हुआ।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को बेंगलूरु में सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण पर जिला उपायुक्तों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

उद्घाटन

मंत्री एन. चालुवरैया स्वामी ने शुक्रवार को मैसूर में नाडा हब्बा मैसूर दशहरा 2025 के अंतर्गत रैथा दशहरा का उद्घाटन किया।

कन्नड़ उपन्यासकार बैरप्पा का पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

मैसूरु। लोकप्रिय कन्नड़ उपन्यासकार एवं दार्शनिक एस एल बैरप्पा का शुक्रवार को यहां पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनका बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 94 वर्ष के थे। चामुंडी पहाड़ी की तलहटी में, ब्राह्मण रीति-रिवाजों से पुजारियों के मार्गदर्शन में भैरप्पा के पुत्रों-- एस बी उदय शंकर और एस बी रविशंकर द्वारा अंतिम संस्कार किया गया। पत्रकार विश्वेश्वर भट, मैसूर के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा और लेखिका सहाना विजयकुमार ने भी चिता को मुखाग्नि देने में भाग लिया।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच सी महादेवप्पा, कई राजनीतिक नेता और विभिन्न क्षेत्रों के लोग बैरप्पा के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में पहुंचे थे। इससे पहले, बैरप्पा के पार्थिव शरीर को बृहस्पतिवार को बेंगलुरु के रवींद्र कलाक्षेत्र में रखा गया था, ताकि जनता उनके अंतिम दर्शन कर सके। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को मैसूरु

ले जाया गया, जहां वह कई वर्षों तक रहे थे। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, कर्नाटक सरकार ने घोषणा की कि उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मैसूरु में बैरप्पा के लिए एक स्मारक बनाने की योजना की घोषणा की। बैरप्पा ने लगभग 25 उपन्यास और साहित्यिक आलोचना के चार खंड लिखे। साथ ही सौंदर्यशास्त्र, सामाजिक मुद्दों और संस्कृति पर भी उन्होंने लेखनी चलायी थी।

दुनियाभर में राजस्थानी मिट्टी की खुशबू फैला रहे प्रवासी राजस्थानी : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी जहां भी जाते हैं वहां अपनी संस्कृति, विचार और राजस्थानी मिट्टी की खुशबू बिखेरते हैं। दुनियाभर में प्रवासी राजस्थानी अपने काम के साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील करते हुए कहा कि राज्य में उपलब्ध असीमित अवसरों में निवेश कर वे प्रदेश के विकास में साझेदार बनें जिससे एक नए तथा विकसित राजस्थान का निर्माण हो।

शर्मा शुक्रवार को हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल दिसंबर में राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में इस साल 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रवासी राजस्थानियों को इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस की श्रृंखला की शुरूआत आज हैदराबाद से की गई है। आगे भी देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह की मीट आयोजित की जाएगी जिससे देश और दुनिया में मौजूद प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ संबंधों को मजबूती मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य और जल संचयन जैसे क्षेत्रों के लिए विभिन्न सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर साल प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न अवसरों पर भी सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के व्यावसायिक और सामाजिक प्रयासों में सहयोग के लिए एक विशेष विभाग का गठन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान फाउंडेशन को सुदृढ़ किया है। इसके तहत पिछले एक साल में 14 नए चैप्टर खोले गए हैं तथा पूर्व के 12 चैप्टर्स में भी अध्यक्षों को मनोनीत कर सभी 26 चैप्टर्स को क्रियाशील किया गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के न्यूयॉर्क, लंदन, रियाद जैसे कई बड़े शहरों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर सुचारु रूप से चल रहे हैं और इनके जरिए प्रवासी समुदाय राज्य सरकार के साथ राजस्थान की विकास यात्रा के साझेदार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के परिवारजन के लिए प्रदेश के हर जिले में सिंगल प्वॉइंट कॉन्टेक्ट बनाया गया है तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। राइजिंग समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए। अब तक लगभग 7 लाख

करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर भी चुके हैं। हम राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य देश में मौजूदा हाईवेज का तीसरा एवं रेलवे का पांचवां सबसे बड़ा नेटवर्क है। राजस्थान में सात प्रमुख हवाई अड्डे हैं और दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर का सबसे बड़ा हिस्सा हमारे प्रदेश से गुजरता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल बनाने के लिए 20 से ज्यादा नई नीतियां बनाई गई हैं। साथ ही, कई नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं। पचपदरा के रिफाइनरी भी इसी वर्ष शुरू होने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 1 हजार 232 निवेशकों को भूमि उपलब्ध करवाई गई है तथा 17 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 34 हजार हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है जो निवेश को धरातल पर उतारने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कल 25 सितंबर को ही यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के माही-बांसवाड़ा में 2 हजार 800 मेगावाट क्षमता की 42 हजार करोड़ रुपए लागत वाली न्यूक्लियर पावर परियोजना का शिलान्यास किया है। बैटरी स्टोरेज, पंप स्टारेज, रूफटॉप सोलर, पीएम कुसुम के तहत विकेंद्रीकृत सोलर प्रोजेक्ट सहित ऊर्जा के हर क्षेत्र में राज्य ने एक नई पहल की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में प्रतिवर्ष करोड़ों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। राजस्थान का हर कोना, अपनी समृद्ध धरोहर, प्रकृति, संस्कृति और विविधताओं का दर्शन करवाता है। पर्यटन निवेश में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार ने भूमि आवंटन हेतु न्यूनतम निवेश को 100 करोड़ रुपये से घटाकर 50 करोड़ रुपये कर दिया है। इस संशोधन से हेरिटेज, वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के साथ-साथ घरेलू निवेशकों को भागीदारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमने रिप्स-2024 में स्टैंडर्ड सर्विसेज पैकेज के तहत इन्सेंटिव के लिए पर्यटन में निवेश की न्यूनतम सीमा 50 करोड़ रुपये से घटाकर 10 करोड़ रुपये कर दी है।

शर्मा ने प्रदेश में खनन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान खनिज नीति तथा राजस्थान एम-सैंड पॉलिसी लॉन्च की है। साथ ही, खनिजों के ब्लॉकों की नीलामी में अभूतपूर्व तेजी आई है। उन्होंने कहा कि जयपुर और जोधपुर में अत्याधुनिक टियर-4 डाटा सेंटर स्थापित किए गए हैं तथा शीघ्र ही नई सेमीकंडक्टर पॉलिसी भी आने वाली है। प्रदेश में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, वस्त्र, चिकित्सा उपकरण, रक्षा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण सहित सभी क्षेत्रों में निवेश के लिए बेहतरीन अवसर हैं।

कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा अपने अनुभव भी साझा किए गए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया तथा राजस्थानी फाउंडेशन चैप्टर मेंबरशिप की भी लॉन्चिंग की। इससे पहले कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

राजस्थान सरकार प्रत्येक पुलिस थाने में स्थापित सीसीटीवी की कुल संख्या बताएं : न्यायालय

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार से प्रत्येक पुलिस थाने में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की संख्या और उनकी स्थिति का विवरण देने को कहा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पुलिस थानों में सीसीटीवी की कमी के मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने राजस्थान सरकार से यह भी बताने को कहा कि क्या स्थापित कैमरों की कार्यप्रणाली की जांच के लिए कोई नियमित ऑडिट किया गया था। इसमें कहा गया है, यदि ऐसा है, तो संपूर्ण आंकड़ों के साथ विस्तृत रिपोर्ट रिकार्ड में रखी जाए। पीठ ने राज्य को दो सप्ताह के भीतर अदालत द्वारा पूछे गए 12 प्रश्नों का जवाब देने का निर्देश दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी। शीर्ष अदालत ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया था जिसमें कहा गया था कि 2025 के पहले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 लोगों की जान चली गई, जिनमें से सात घटनाएं उदयपुर संभाग में हुईं।

तेज रफ्तार डंपर ने राहगीरों को कुचला, दो की मौत

जयपुर। जयपुर में बृहस्पतिवार रात सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार डंपर ने दो राहगीरों को कुचल दिया। उसके बाद डंपर बिजली के ट्रांसफार्मर से टकरा गया और उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार को आमेर थाना क्षेत्र के कुंडा गांव के पास हुई। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने शनिवार को बताया कि शिव कुंडा तलाई निवासी शंकरलाल सैनी (32), ओमप्रकाश सैनी (40) और सोहनलाल (40) अपने घरों के बाहर एक आटा चक्की के पास खड़े थे तभी एक डम्पर ने उन्हें टक्कर मार दी। अधिकारियों ने बताया कि वाहन तीनों को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया और फिर ट्रांसफार्मर से टकरा गया, जिससे डंपर में आग लग गई। हादसे में शंकरलाल और ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सोहनलाल के हाथ और पैर में कई फ्रैक्चर हो गए हैं और उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने शवों को सड़क पर रखकर जयपुर-दिल्ली राजमार्ग जाम कर दिया और भारी वाहनों की गति सीमा तय करने की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद जाम हटा लिया गया।

गहलोत ने दौरे के दौरान कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बांसवाड़ा यात्रा के दौरान 2022 के कन्हैयालाल साहू हत्याकांड पर कुछ न बोलने के लिए बृहस्पतिवार को उनकी आलोचना की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, बांसवाड़ा दौरे पर आए प्रधानमंत्री मोदी ने कन्हैयालाल साहू के प्रकरण में न्याय को लेकर एक शब्द नहीं बोला। पहले गृह मंत्री और अब प्रधानमंत्री की इस मुद्दे पर चुप्पी राजस्थान की जनता को व्यथित कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नीत केन्द्र सरकार इस मामले को लेकर बिल्कुल भी संवेदनशील नहीं है और यह विषय उनके लिए केवल चुनावी राजनीति तक सीमित था। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की एजेंसी एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) तीन साल बाद भी अपराधियों को सजा नहीं दिलवा सकी है। गहलोत ने कहा कि पहले सरकारी कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री अपनी सरकार की उपलब्धियां एवं आगे के लिए अपना दृष्टिकोण बताते थे लेकिन अब ऐसी परंपरा खत्म सी हो गई है। उन्होंने कहा, सरकारी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जिस तरह राजनीतिक भाषण देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा वह उचित नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री जी, आपने चुनाव से पहले वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने पर कांग्रेस सरकार की किसी योजना को बंद नहीं किया जाएगा।

टोंक में उपमुख्यमंत्री का औचक निरीक्षण : रोडवेज बस में चढ़कर कंडक्टर से पूछा- कितनी सवारियां?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा शुक्रवार को अचानक रोडवेज बस स्टैंड पहुंचे। दोपहर करीब 11.15 बजे हुए इस औचक निरीक्षण में उन्होंने वहां फैली गंदगी देखकर नाराजगी जताई और अधिकारियों को फटकार लगाई। गंदगी देख नाराज हुए। अधिकारियों को फटकार लगाई। इस बीच एक रोडवेज बस में चढ़े और टिकट काट रहे कंडक्टर से पूछा- बस में कितनी सवारियां है? इस पर कंडक्टर बिना कोई जवाब दिए उन्हें हैरानी से देखने लगा।

मौके पर डिप्टी सीएम के साथ मौजूद लोगों ने कंडक्टर से कहा- पहचाने नहीं क्या, ये उपमुख्यमंत्री जी है। डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा साब है। इसके बाद कंडक्टर ने टिकट काटना बंद किए और बैरवा के पैर छूकर स्थिति क्लियर की। दरअसल, अचानक डिप्टी सीएम को बस स्टैंड पर देखकर लोग हैरत में पड़ गए। भीड़ जुट गई। बस स्टैंड पर गंदगी देख बैरवा ने प्रबंधक को बुलाया और फटकार लगाई। उन्होंने खुद झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी। लोगों की समस्या सुनकर बंद पड़े बुकिंग विंडो को चालू करने के भी निर्देश दिए।

डिप्टी सीएम ने जयपुर जाते समय पॉलिटेक्निक कॉलेज का भी निरीक्षण किया। स्टूडेंट्स से बातचीत कीं। स्टूडेंट्स ने उनके कॉलेज के पास रोडवेज बसें नहीं रुकने की समस्या रखी। इस पर तुरंत अधिकारियों को मोबाइल से निर्देश देकर रोडवेज बसों का ठहराव पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास करने के निर्देश दिए। कुछ समय बाद ही इसके आदेश भी जयपुर मुख्यालय से जारी कर दिए गए। इससे पहले प्रेमचंद बैरवा का बीजेपी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि यह बदला हुआ भारत है। देश मे पिछले 10 सालों में तस्वीर बदली है। आज देश विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका हैं। मोदी के नेतृत्व में देश विकसित बनने जा रहा है। आज हमारी ताकत का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। राम मंदिर के निर्माण से लेकर गांव में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के विकास को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ मिल रहा हैं। राजस्थान रोडवेज को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा-हमने 40 किलोमीटर से दायरा बढ़ाकर 400 किलोमीटर किया है। जहां भी कुछ कमियां है, उनमें सुधार करके आम आदमी को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान,जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराना, गणेश माहुर,जिला महामंत्री विष्णु शर्मा,प्रभु बाडोलिया,नरेश बंसल,जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी, प्रधान काबरा, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा, जिला मंत्री हरिराम यादव,तरुण टिक्किवाल, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव,विनायक जैन,पंकज पहाड़िया,हनुमान बैरवा,देवराज गुर्जर सहित अन्य मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के टोंक आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में स्वागत किया गया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने भाजपा जनसेवा संवाद केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान सरकार प्रत्येक क्षेत्र में विकास को लेकर अग्रसर है।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिक करेंगे किसानों से सीधा संवाद

जयपुर। आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी सुचिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में केन्द्र व राज्य सरकार और आईसीएआर के सहयोग से चलाये जा रहे 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि यह अभियान 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड विजन' यानि प्रयोगशाला से खेत तक की सोच को साकार करना है। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी एवं वैज्ञानिक गांव-गांव पहुंचकर खेती की नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकी, गुणवत्तापूर्ण बीज और संसाधन एवं किसान हितेषी जानकारियां कृषकों को देंगे।

उन्होंने बताया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत रबी मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से सम्बन्धित आधुनिक तकनीकों, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जागरूक किया जायेगा एवं केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं व नीतियों के बारे में किसानों को शिविर लगाकर जानकारी दी जायेगी। इन शिविरों में आईसीएआर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी एफपीओ और स्वयं सहायता समूह के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

भारतीय ज्ञान परपंरा का उपयोग कर बढ़ाएं बच्चों की बौद्धिक क्षमता : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारत ज्ञान की दृष्टि से सर्वाधिक समृद्ध है। वैज्ञानिकों, प्रोफेसर्स को चाहिए कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा का शोध-अनुसंधानों में उपयोग करते हुए बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दें।

राज्यपाल बागड़े उदयपुर में शुक्रवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, संबद्ध महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे, नामांकन की स्थिति, छात्रवृत्ति योजनाओं से लाभान्वित विद्यार्थियों, परीक्षा व्यवस्था, वित्तीय स्थिति, स्वीकृत एवं रिक्त पदों की स्थिति, रॉस्टर प्रणाली, विश्वविद्यालय की उपलब्ध एवं बिल्टअप भूमि आदि के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भारत आदिकाल से ज्ञान का कोष रहा है। उन्होंने भारद्वाज ऋषि सहित अन्य का उदाहरण देते हुए उनके लिखे ग्रंथों का उल्लेख किया। उन्होंने ऐसी पुस्तकों को विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में रखने तथा उनका अध्ययन करने तथा अनुसंधान करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे युवा पीढ़ी में देश के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव बढ़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। अमेरिका सहित पूरा विश्व भारतीय टेलेन्ट पर निर्भर है। यही वजह है कि 1998 के परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद भारत पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ा और वर्तमान में चल रहे हालातों में भी भारत मजबूती से खड़ा है।

बागड़े ने विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गांवों में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गोद लिए गांवों में स्वच्छता आदि गतिविधियां चलाना ही पर्याप्त नहीं हैं। वहां का समूचा वातावरण बदलना चाहिए। इन गांवों में महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों-शिक्षकों, कार्मिकों आदि को जोड़ते हुए प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को कहानी-प्रेरक किस्सों आदि के माध्यम से शिक्षित-दीक्षित करने की दिशा में काम किया जाना चाहिए, ताकि उनकी नींव मजबूत हो और वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इसी से गांव का परिदृश्य बदलेगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भी पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक स्तर पर बच्चों को अपने लोकल परिवेश के साथ जोड़ते हुए पढ़ाने की पक्षधर है।

नगर निगम ग्रेटर की सभा में कांग्रेस पार्षदों का हंगामा, प्रस्ताव की प्रति फाड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की 8वीं साधारण सभा की बैठक आज हंगामेदार रही। कांग्रेस के पार्षदों ने टेबल पर चढ़कर जोर-जोर से नारेबाजी की और एक पार्षद ने तो प्रस्ताव की प्रति ही फाड़ दी। विरोधी नेता राजीव चौधरी ने कहा कि जीएसटी पर चर्चा पार्क में की जाए, सदन में शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। भाजपा पार्षदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारेबाजी शुरू की। इसके बाद कांग्रेस पार्षदों ने 'मोदी के खिलाफ वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाए और हाथों में तख्तियां लेकर टेबलों पर चढ़ गए।

कांग्रेस पार्षद करण शर्मा इतने नाराज हुए कि उन्होंने प्रस्ताव की प्रति फाड़ दी और सदन से बाहर चले गए। इसके बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। बैठक में हंगामे और पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप के चलते आज कोई निर्णय नहीं हो बैठक दोपहर 12.15 बजे शुरू हुई। आज का मुख्य एजेंडा जीएसटी रिफॉर्म्स और वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा करना था। लेकिन कांग्रेस पार्षदों ने सदन में बोलने नहीं देने पर नाराज होकर हंगामा शुरू कर दिया।

बिहार की महिलाओं को सुनिश्चित करना होगा कि राजद, उसके सहयोगी कभी सत्ता में न लौटें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसके शासनकाल में बिहार की महिलाओं को भारी तकलीफें झेलनी पड़ीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली पार्टी और उसके सहयोगी दल राज्य में दोबारा सत्ता में न लौट सकें।

प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत के अवसर पर बिहार की महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। इस योजना के तहत राज्य की 75 लाख महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के लिए 10-10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री ने कहा, ''नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाओं का आशीर्वाद मेरे लिए बड़ी शक्ति है। आज से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत हुई है। अब तक 75 लाख बहनें इस योजना से जुड़ चुकी हैं और सभी के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान भी बढ़ता है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जनधन योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि यदि महिलाओं के बैंक खाते न खोले गए होते, तो यह राशि सीधे उनके खातों में नहीं पहुंच पाती। पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''पहले एक प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से एक रुपया भेजा जाता है, तो जमीन पर सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं और 85 पैसे कोई पंजा मार लेता है। लेकिन आज जो 10-10 हजार रुपए भेजे गए हैं, उन्हें कोई लूट नहीं सकता। उन्होंने कहा, ''इस योजना से केंद्र सरकार के 'लखपति दीदी अभियान' को भी नई ताकत मिली है। अब तक दो करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और हमारा लक्ष्य तीन करोड़ तक पहुंचने का है। मुझे उम्मीद है कि सबसे अधिक 'लखपति दीदी' बिहार से बनेंगी।'' महिला सशक्तीकरण पर प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में सेना और पुलिस बलों में शामिल हो रही हैं। वे लड़ाकू विमान भी उड़ा रही हैं- यह हर महिला के लिए गर्व की बात है।'' प्रधानमंत्री ने राजद सरकार के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा, ...लेकिन हमें वे दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद का शासन था। 'लाल टेन' (राजद का चुनाव चिह्न) का राज था, उस दौरान अराजकता और भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं-बहनों ने झेली। वो दिन जब बिहार की बड़ी-बड़ी सड़कें टूटी-फूटी होती थीं, पुल-पुलिया का नाम नहीं था। इन हालातों में सबसे अधिक तकलीफ हमारी माताओं-बहनों को ही उठानी पड़ी।''

राम जन्मभूमि परिसर के सभी मंदिर अक्टूबर में श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे : नृपेंद्र मिश्रा

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राम जन्मभूमि परिसर के सभी मंदिर अक्टूबर के अंत तक श्रद्धालुओं के लिए खोल दिये जायेंगे, जबकि निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने राम मंदिर में आगामी ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि अधिकांश निर्माण कार्य इस कार्यक्रम से पहले पूरा हो रहा है, जिसमें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी शामिल हो सकते हैं। मिश्रा ने कहा कि 25 नवंबर के भव्य ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं, जिसमें लगभग 8,000 लोगों की अतिथि सूची तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा चुनी गई तिथि अयोध्या में राम विवाह के वार्षिक उत्सव के साथ मेल खाती है। मिश्रा के अनुसार, विवाह समारोह में पांच लाख से ज़्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे ध्वजारोहण समारोह की तैयारी ट्रस्ट के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के अंत तक श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में नियमित रूप से प्रवेश की अनुमति देने की योजना है, जिसमें कुबेर टीला और राम दरबार जैसे स्थानों पर सीमित प्रवेश होगा।

महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व भारतीय समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : जयवीर सिंह

एटा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। एटा जिले के जलेसर क्षेत्र स्थित आगरा चौराहा पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है और रहेगा। सिंह ने कहा, महाराणा प्रताप केवल महान योद्धा ही नहीं, बल्कि कुशल रणनीतिकार भी थे और उनकी नीतियों ने आगे चलकर छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बंगाल के स्वतंत्रता सेनानियों तक को प्रेरणा दी। उन्होंने क्षत्रिय समाज से आह्वान किया कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

आईपीएस अधिकारी के घर में चोरी, कीमती सामान गायब

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी के बंद आवास में चोरों ने चोरी कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी यमुना प्रसाद वर्तमान में गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पद पर तैनात हैं। अधिकारी और उनका परिवार नोएडा में हैं, जबकि लखनऊ के विकास नगर स्थित उनके घर की देखभाल उनके एक रिश्तेदार कर रहे थे। जब केयरटेकर असित सिद्धार्थ 22 सितंबर को विकास नगर के संजय विहार में स्थित घर पर पहुंचे तो पाया कि बिजली कटी हुई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 23 सितंबर को जब बिजली विभाग के अधिकारी बिजली आपूर्ति ठीक करने पहुंचे और घर को खोला गया तो पता चला कि पीछे की खिड़की की ग्रिल कटी हुई है और कमरों में तोड़फोड़ की गई थी।

कांग्रेस ने मिग-21 को लेकर नेहरू और कृष्ण मेनन को याद किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मिग-21 लड़ाकू विमान के सेवा से मुक्त होने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पूर्व रक्षा मंत्री वी.के. कृष्ण मेनन को याद किया और कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन की ओर से भारी दबाव था, लेकिन नेहरू और मेनन दोनों इस विमान को लेकर अडिग रहे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मिग-21 लड़ाकू विमान आज सेवामुक्त हो गया। 22 अगस्त, 1962 को भारत और सोवियत संघ ने मिग-21 समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते ने रक्षा क्षेत्र में भारत-सोवियत सहयोग को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त किया। उनके मुताबिक, वर्ष 1987 में, भारत के प्रमुख सामरिक विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम ने लिखा था कि वी.के. कृष्ण मेनन ने भारतीय वायु सेना पर मिग-21 को चुनने का दबाव डाला था, लेकिन पीछे मुड़कर देखें तो 'श्री मेनन का ऐसा करना सही था।' उन्होंने कहा, एचएएल द्वारा स्थानीय निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए भारत की शर्तों को सोवियत संघ द्वारा स्वीकार किए जाने के कारण ही ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और स्वीडन जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले सोवियत विमान को चुनने का निर्णय लिया गया था।

क्रिकेटर जिस तरह खुद को आगे बढ़ाते हैं, उस तरीके ने मुझे प्रेरित किया: बोल्ट

मुंबई/भाषा। महान धावक उसेन बोल्ट का कहना है कि प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद क्रिकेट उनके लिए ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा बना था। बोल्ट का नाम रफ्तार और विश्व रिकॉर्ड का पर्याय है, उन्होंने अपने करियर का अंत आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 11 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पोडियम स्थान के साथ किया जो कभी भी किसी भी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ने हासिल नहीं किया। जमैका के इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को जमनाबाई नरसी परिसर में 'फायरसाइड चैट' में कहा, ''मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा मुरीद रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को बढ़ते हुए देखना, वे जिस तरह से काम करते, वे जिस तरह खुद को आगे बढ़ाते और खुद को पेश करते थे, उसने मुझे कम उम्र में कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। ''

नीतीश ने लालू पर तंज करते हुए कहा-

उन्हें सिर्फ अपने परिवार की चिंता है, पर हम सबके लिए काम करते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और उन पर वंशवादी राजनीति करने और केवल अपने परिवार की परवाह करने का आरोप लगाया। कुमार ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत के मौके पर की।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य की राजग सरकार लगातार बिहार के सर्वांगीण विकास और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। वर्ष 2005 से पहले की सरकार ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। सबको मालूम है कि जब उन्हें (लालू प्रसाद) हटाया गया तो उन्होंने अपनी पत्नी (राबड़ी देवी) को मुख्यमंत्री बना दिया। उन्होंने सिर्फ अपने परिवार की परवाह की, जबकि हम सबके लिए, राज्य की जनता के लिए काम करते हैं। राबड़ी देवी 1997 में मुख्यमंत्री बनी थीं जब उनके पति लालू प्रसाद को चारा घोटाले में सीबीआई द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद पद छोड़ना पड़ा। बाद में लालू प्रसाद इस मामले में दोषी करार दिए गए।

नीतीश कुमार ने दावा किया, नवंबर 2005 में राज्य में राजग की सरकार बनाने के बाद राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सभी क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति की है। राज्य में कानून का शासन कायम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमने महिलाओं के सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया है।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ करते हुए 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपए की राशि अंतरित की।

7,500 करोड़ रुपए की इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाना है।

इस मौके पर पटना से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई केंद्रीय और राज्य मंत्रियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भाग लिया। बड़ी संख्या में महिलाएं भी इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ीं। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना की शुरुआत को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग फिर से सरकार बनाएगा: चिराग पासवान

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) फिर से सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य अगले पांच वर्षों तक विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पासवान विश्व खाद्य भारत 2025 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन 'बिहार में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अवसर' विषय पर आयोजित ज्ञान सत्र के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे विश्वास है कि राजग बिहार में फिर से सत्ता में आएगा... हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में ही राज्य अगले पांच साल तक विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। बिहार विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की उम्मीद है।

मां दुर्गा से प्रार्थना है कि बंगाल चुनाव के बाद नई सरकार 'सोनार बांग्ला' गौरव बहाल करे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां संतोष मित्रा स्क्वायर के दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया और कहा कि उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद, एक नई सरकार बने जो राज्य के खोए हुए 'सोनार बांग्ला' गौरव को बहाल करे।

शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल को एक बार फिर सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनना चाहिए और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर का सपना पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि इस विधानसभा चुनाव के बाद एक ऐसी सरकार बने जो राज्य को 'सोनार बांग्ला' (स्वर्णिम बंगाल) बना सके। हमारा बंगाल एक बार फिर सुरक्षित, समृद्ध, शांतिपूर्ण और समृद्ध बने। हम कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की कल्पना के अनुरूप बंगाल का निर्माण कर सकें।''

उत्तर कोलकाता में संतोष मित्रा स्क्वायर सर्बोजनिन दुर्गोत्सव समिति के पंडाल के उद्घाटन के मौके पर शाह ने कहा, ''मैं बंगाल और देश के लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देता हूं।'' गृह मंत्री ने राज्य में हाल में हुई वर्षाजनित घटनाओं में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया। शाह ने कहा, ''उत्सव की शुरुआत में, हमने एक बहुत ही दुखद क्षण का अनुभव किया। दस से अधिक लोगों की जान चली गई। मैं मारे गये सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं।'' गत 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी। शाह ने बंगाल के दुर्गा पूजा उत्सव को एक सांस्कृतिक धरोहर बताया, जिसकी प्रशंसा पूरे विश्व में की जाती है। उन्होंने कहा, ''यह नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव न केवल बंगाल और भारत में, बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गया है। बंगाल की इस महान परंपरा को पूरी दुनिया बड़े हर्षोल्लास के साथ देखती है। नौ दिनों तक, बंगाल में हर कोई शक्ति की उपासना में समर्पित रहता है।''

कैदी के दिल से तीन सुइयां निकाली गईं, साल भर पहले एयरगन से हुआ था हमला

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने 29 वर्षीय विचाराधीन कैदी के दिल में साल भर से धंसी तीन सुइयों को जटिल सर्जरी के जरिये बाहर निकालकर उसे नया जीवन दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, ये सुइयां इस व्यक्ति पर एयरगन जैसी बंदूक से दागी गई थीं और दिल में इनके धंसने के बाद उसका अब तक जिंदा रहना किसी करिश्मे से कम नहीं है।

शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के शल्य चिकित्सक डॉ. सुमित प्रताप सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मरीज को छाती के बायीं तरफ चुभन और दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सिंह ने बताया कि सीटी स्कैन और इकोकार्डियोग्राफी की रिपोर्ट देखकर चिकित्सक चौंक गए क्योंकि उन्होंने पाया कि मरीज के दिल में तीन सुइयां धंसी हैं। उन्होंने बताया,''हमने आठ घंटे के जटिल ऑपरेशन के बाद मरीज के दिल से ये सुइयां निकालीं जिनकी लंबाई एक से 2.5 इंच के बीच है। जिस तरह ओपनहार्ट सर्जरी का ऑपरेशन होता है, उसी तरह यह ऑपरेशन किया गया।'' सिंह ने बताया कि सर्जरी के बाद मरीज की हालत ठीक है। उन्होंने कहा कि करिश्मा ही है कि यह व्यक्ति दिल में तीन सुइयां धंसी होने के बावजूद साल भर तक जिंदा रहा।

मप्र 'स्वच्छ और हरित' शहरों की ओर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि शहरीकरण आज की 'सबसे बड़ी जरूरत' है और उनकी सरकार हरित और स्वच्छ शहरों की ओर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़कर नागरिकों के जीवन को और अधिक सुविधाजनक बनाना चाहती है। उन्होंने यहां एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित शहरी परिवर्तन शिखर सम्मेलन-2025 में बोलते हुए कहा कि बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं ना केवल नागरिकों और समाज को मजबूत बनाती हैं, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी का भी एहसास दिलाती हैं।

यादव ने कहा, ''शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत है और हमारा लक्ष्य हरित और स्वच्छ शहरों की ओर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़कर नागरिकों के जीवन को सरल, आसान और अधिक सुविधाजनक बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों का विकास उनकी विरासत को ध्यान में रखते हुए, उनके चरित्र और विशिष्ट पहचान के अनुसार किया जा रहा है।

यादव ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को समाप्त करना शहरी विकास का एक प्रमुख कार्य है और राज्य की भाजपा सरकार नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख शहरों में मेट्रो ट्रेन नेटवर्क और बड़े फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है और इंदौर में मेट्रो का संचालन शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि भोपाल कॉरिडोर पर मेट्रो सेवाएं अक्टूबर 2025 से शुरू होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर को लगातार आठ वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर माना जाता रहा है और भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर जैसे अन्य प्रमुख शहर भी डिजिटल शासन, गतिशीलता और जीवन की सुगमता को बढ़ावा देकर उत्कृष्ट शहरों के रूप में उभरे हैं।

सरकार चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को लुभाने की कोशिश कर रही : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत किये जाने पर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि सरकार चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को लुभाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''यह योजना चुनाव से ठीक पहले क्यों लाई जा रही है? पिछले 20 साल से किसकी सरकार सत्ता में रही है? इतने सालों में यह काम क्यों नहीं किया गया? अब अचानक इन्हें महिलाओं की याद आ रही है। यह साफ है कि इन्हें लगता है कि इस योजना के जरिये महिलाओं का वोट हासिल किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य, दोनों ही सरकारों ने लंबे समय तक महिलाओं के हित की योजनाओं को दरकिनार किया और अब चुनाव से पूर्व रोजगार योजना का ऐलान किया जा रहा है। गांधी ने कहा कि अब दाल नहीं गलने वाली है, क्योंकि बिहार की महिलाएं सब समझ रहीं हैं। महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेने पटना पहुंचीं प्रियंका हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से मुखातिब थीं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छोटी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा का पटना हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह से स्वागत किया। वहां से वह सीधे सदाकत आश्रम (कांग्रेस का प्रदेश मुख्यालय) पहुंचीं, जहां 'महिला संवाद' कार्यक्रम के तहत उन्होंने स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं के साथ बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और सरकार बदलने पर हालात बदलने का आश्वासन दिया। उसके बाद वे वहां से मोतिहारी में एक रैली को संबोधित करने के लिए रवाना हो गईं।

यह 52 वर्षीय प्रियंका का बिहार में पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव भी प्रियंका गांधी वाद्रा का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डा पर पहुंचे। पप्पू यादव कांग्रेस के प्रति निष्ठा रखते हैं और बिहार में पार्टी की बैठकों में शामिल होते रहते हैं।

पप्पू यादव ने इसे ''ऐतिहासिक मौका'' करार दिया। उनकी पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की राज्यसभा सांसद और पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की और बिहार की महिलाओं को ऑनलाइन संबोधित किया। इस योजना के तहत राज्य की 75 लाख महिलाओं को आजीविका शुरू करने के लिए 10-10 हजार रुपए दिए गए।

यह दबाव लिये बिना परिस्थितियों का लुत्फ उठाने के बारे में है : हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप से पहले प्रशंसकों की उम्मीदों के बारे में पता है लेकिन वह पहली बार खिताब जीतने के दबाव में आए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहती हैं। भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 30 अक्टूबर को गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से करेगा।

हरमनप्रीत ने आईसीसी द्वारा आयोजित कप्तानों की संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे लगता है कि अपने देश की कप्तानी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए हमेशा एक खास पल होता है। वनडे विश्व कप में अपने देश की कप्तानी करना और भी खास होता है और उससे भी बढ़कर यह घरेलू विश्व कप है इसलिए यह और भी विशेष है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मतलब है, यह अविश्वसनीय है। जब मैंने खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे अपने देश की कप्तानी करने का मौका मिलेगा, यह बस एक सपना ही था।'' उन्होंने कहा, ''वनडे विश्व कप 12 साल बाद भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बेहद शानदार होने वाला है। हम दबाव लिये बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहते है।''

भारत पांच अक्टूबर को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा, लेकिन हरमनप्रीत इस मैच से जुड़ी राजनीतिक बातों की चिंता करने के बजाय क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है। यूएई में चल रहे एशिया में हाल ही में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में कुछ खिलाड़ियों से आक्रमण भाव भंगिमा और बहसबाजी देखने को मिली। उन्होंने कहा,हम सिर्फ मैदान पर क्रिकेट खेलने को नियंत्रित कर सकते हैं। हम बाकी चीजों के बारे में नहीं सोच रहे है।

सूर्यकुमार पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना, भारत ने फैसले के खिलाफ अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। एशिया कप आयोजकों ने बताया कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच के बाद की गई टिप्पणियों के लिए मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारतीय कप्तान ने इस मुकाबले के बाद दोनों देशों के बीच मई में हुए सैन्य संघर्ष का जिक्र किया था।

पता चला है कि भारत ने आईसीसी के इस फैसले के खिलाफ अपील की है। पाकिस्तान ने आईसीसी में सूर्यकुमार के खिलाफ राजनीतिक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर अपनी टीम की जीत को पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। सूर्यकुमार ने खुद को निर्दोष बताया लेकिन उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों में ऐसा कोई बयान नहीं देने को कहा गया जिसे राजनीतिक माना जा सके। भारतीय कप्तान की सुनवाई आईसीसी मैच रैफरी रिची रिचर्डसन ने की। दोनों टीमों के बीच तनाव तब से चरम पर है जब भारतीय टीम ने पहलगाम पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए टॉस के समय और मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था।

सुविचार

हर सुबह एक नया आशीर्वाद और एक नया अवसर लेकर आती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विदेश का मोह छोड़ें

अमेरिकी अधिकारियों ने 30 से भी ज्यादा सालों तक उनके देश में रहने वाली एक 73-वर्षीया सिक्ख महिला को जिस तरह हिरासत में लेकर भारत भेजा, वह काफी अपमानजनक है। उन बुजुर्ग महिला को न तो अपने रिश्तेदारों को अलविदा कहने का मौका दिया गया और न ही उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विमान में उचित सुविधाएं दी गईं। हां, एक अधिकारी ने इतनी दया जरूर दिखाई कि जब उसका सहकर्मी हथकड़ी लगा रहा था तो उसने महिला की उम्र का लिहाज करते हुए ऐसा न करने के लिए कहा। हर साल कई भारतीय नागरिक दुनिया के विभिन्न देशों में अपमानजनक बर्ताव का सामना करते हैं। कई लोग अवैध तरीके से उन देशों में दाखिल होते समय पकड़े जाते हैं, जिनके बारे में यहां ऐसा प्रचार कर दिया गया है कि वे तो स्वर्ग हैं! वहीं, कई लोग अवैध तरीके से रहते या काम करते हुए धर लिए जाते हैं। इस मामले में अमेरिका का रुख बहुत सख्त होता जा रहा है। उसने जनवरी से अब तक 2,400 से ज्यादा भारतीयों को निर्वासित किया है। किसी भी देश में उसके कानून का उल्लंघन करते हुए दाखिल होना, रहना और काम करना अपराध होता है। ऐसी गतिविधियों से दूर रहना चाहिए। जो लोग विदेशों में इस तरह पकड़े और निकाले जाते हैं, वे घोर अपमान का सामना करते हैं। इससे अपने देश की छवि पर गलत असर पड़ता है। लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के बारे में यह गलत धारणा बना रखी है कि एक बार वहां दाखिल होने की जरूरत है, उसके बाद ज़िंदगी में कोई समस्या ही नहीं होगी!

अगर भारत के लोग ठान लें तो यह देश, दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध और संपन्न बन सकता है। विदेश में 'मान न मान, मैं तेरा मेहमान' की तरह आचरण करने के बजाय भारत में मेहनत करें, भारत को संवारें।

इन देशों का मोह छोड़ना चाहिए। हमें अपने देश को सुंदर और बेहतर बनाना चाहिए। क्या नहीं है इस देश के पास? विशाल भूभाग, बड़ा बाजार, हर तरह के मौसम, हजारों खानपान, भरपूर फसलें, विविधतापूर्ण संस्कृति और चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था ...। बस कमी है तो इच्छाशक्ति की। अगर भारत के लोग ठान लें तो यह देश, दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध और संपन्न बन सकता है। विदेश में 'मान न मान, मैं तेरा मेहमान' की तरह आचरण करने के बजाय भारत में मेहनत करें, भारत को संवारें। भले ही हमारे देश की व्यवस्थाओं में कुछ दिक्कतें हैं, लेकिन यहां कोई व्यक्ति सूझबूझ से काम करे तो अपने क्षेत्र में उन्नति कर सकता है। देश में ऐसे हजारों उदाहरण मिल जाएंगे, जब लोगों ने बहुत अभावों में पलकर भी बुलंदियां हासिल कीं। भारत में अपने खेत, मकान, दुकान, जेवर आदि बेचकर अवैध तरीके से विदेश जाने वाले लोगों को वहां भयंकर मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। उनका बहुत शोषण होता है। पकड़े जाने पर उस देश के अधिकारी बुरा बर्ताव करते हैं। जो लोग शुरुआती वर्षों में नहीं पकड़े जाते, वे यह सोचकर थोड़े लापरवाह हो जाते हैं कि अब हमारा बाल भी बांका नहीं होगा। दुर्भाग्य से, वे किसी दिन पकड़ लिए जाते हैं तो उनकी जमा-पूंजी वहीं रह जाती है। कई लोगों ने ऐसे आरोप लगाए हैं कि हमारी कमाई वहां के अधिकारी ही ले उड़े! जब इतनी दुर्दशा होती है तो उन देशों में रहना ही क्यों है? भारत में कोई व्यक्ति स्वरोजगार करेगा तो अपनी कमाई से चैन की नींद सोएगा। अमेरिका में अवैध प्रवासियों के ठिकानों पर रात को छापे मारे जाते हैं। वहां लाखों रुपए कमाकर भी चैन की नींद नहीं आएगी। अगर दशकों बाद भी पकड़े गए तो वापस रवाना कर दिए जाएंगे। उस समय कोई अधिकारी हथकड़ी न लगाए तो इसे उसकी मेहरबानी समझें।

ट्वीटर टॉक

प्रवासी बंधुओं से राजस्थान में निवेश, उद्योग स्थापना तथा विभिन्न विकासोन्मुख गतिविधियों में सहभागिता करने का आह्वान किया। साथ ही सभी को आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' समारोह में पधारने हेतु आमंत्रित किया।

-भजनलाल शर्मा

ओडिशा के चांदीपुर से अग्नि-प्राइम का पहला रेल-आधारित सफल परीक्षण भारत की रणनीतिक ताक़त को एक नई ऊँचाई दे रहा है। दो हज़ार किलोमीटर की मारक क्षमता और कहीं से भी त्वरित लॉन्च करने की क्षमता इसे बेहद खास बनाती है।

-दिया कुमारी

स्वाधीनता संग्राम सेनानी, महान शिक्षाविद एवं प्रखर समाज सुधारक ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जी की जयंती पर कोटिशः नमन। गरीबों, वंचितों के उत्थान, नारी शिक्षा व सशक्तिकरण तथा समरस समाज निर्माण के लिए आपके योगदान सदा स्मरणीय व प्रेरणादायी रहेंगे।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

मन विजय से मुक्ति

आचार्य पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्य अग्निवेश सहित छह शिष्यों को आत्मा और मन का रहस्य समझा रहे थे। अग्निवेश ने पूछा कि जब मनुष्य मर जाता है तो उसकी चेतना कहां चली जाती है और जीवित रहते हुए मन, इन्द्रियों और आत्मा का आपसी संबंध क्या है। ऋषि आत्रेय ने समझाया कि मन अपने आप में अचेतन है, यह केवल साधन है। आत्मा ही इसे चेतना प्रदान करती है और कार्य कराने में सक्षम बनाती है। जीवित अवस्था में जब आत्मा शरीर में स्थित होती है तब प्राण का संचार, मन की गति, इन्द्रियों का अनुभव, इच्छा-द्वेष, सुख-दुःख, स्मृति और बुद्धि जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। अग्निवेश ने आगे प्रश्न किया कि मृत्यु के बाद क्या होता है। आत्रेय ने शांत स्वर में कहा कि मृत्यु के बाद आत्मा शरीर को छोड़ देती है और शरीर मात्र पंचभूतों का ढेर रह जाता है। फिर अग्निवेश ने पूछा कि यदि ईश्वर है तो आत्मा कभी पापयुक्त योनि में क्यों जन्म लेती है, क्या उसे कोई वहां धकेलता है। इस पर आत्रेय बोले कि आत्मा को कोई बाहर से प्रेरित नहीं करता, उसके अपने ही कर्म उसे खींचकर अनिष्ट योनियों तक ले जाते हैं।

सामयिक

लेह-लद्दाख की शांति में आग लगाने की कुचेष्टा

राजेश माहेश्वरी

लेह-लद्दाख जैसे शांत और शीतल क्षेत्र में अचानक आगजनी, पत्थरबाजी, सरकारी वाहनों का दहन और उत्तेजित-भड़काऊ नारे। अचानक यह हिंसक माहौल देख-सुन कर देश चौकन्ना हो गया होगा। लद्दाख 2250 मीटर से 7742 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऐसा क्षेत्र है, जहां रूहानियत और सुकून बसते हैं। यह सीमावर्ती क्षेत्र भी है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास भारत और चीन के हजारों सशस्त्र सैनिक, कुछ समय पहले तक, तैनात थे। अब सेनाएं काफी पीछे हट चुकी हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौता-वार्ता के दौर जारी हैं। पहले तो युद्ध-सा माहौल था। लद्दाख में जिस तरह विरोध-प्रदर्शन किए गए, उन्हें देख कर चीन की निगाहें भी फैल गई होंगी। बेशक आमरण अनशन पर 15 दिन से बैठे सोनम वांगचुक ने विरोध-प्रदर्शन की तुलना अरब स्प्रिंट और नेपाल के 'जेन ज़ी' विद्रोह से की, लेकिन यह देश-विरोधी बयान है, क्योंकि युवा इससे और भी ज्यादा भड़क सकते हैं। सोनम ने अपना अनशन भी वापस ले लिया और शांति की अपील भी की। यह कैसा दोगलापन है।

लद्दाख को केंद्रशासित क्षेत्र का दर्जा मोदी सरकार ने ही दिया था, अलबत्ता यह क्षेत्र दशकों से जम्मू-कश्मीर की छाया तले अपने स्वतंत्र अस्तित्व के विकास और विस्तार के लिए तरस रहा था। 2019 के बाद अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों ही केंद्र शासित क्षेत्र हैं। आंदोलन हिंसक क्यों हुआ, जिसमें 4-5 मौतें हो गईं और 70 से अधिक लोग घायल हो गए? प्रशासन को कर्फ्यू लगाना पड़ा, इंटरनेट की सप्लाई रोकनी पड़ी और 4 या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी चस्पां करनी पड़ी। अर्थात लेह-लद्दाख में अब रैलियों, विरोध-प्रदर्शनों और जलसे-जुलूस पर फिलहाल पाबंदी है। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, लाठियां भांजनी पड़ी और प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय भाजपा दफ्तर को फूंक दिया। भाजपा नेतृत्व ने इस हिंसक आयोजन के पीछे स्थानीय कांग्रेस पार्षद की साजिश का आरोप लगाया है।

बेशक सोनम वांगचुक लद्दाख के एक विख्यात चेहरा हैं। वह अभियंता, नवाचारी और शिक्षा सुधारक हैं और जलवायु परिवर्तन पर भी उनके खास सरोकार हैं। असल में इन विरोध प्रदर्शनों ने वांगचुक को एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उभारा है, और कई लोग इस अनशन को उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के प्रदर्शन के रूप में देखते हैं। हालांकि, राजनीति उनके लिए नई नहीं है। वांगचुक के पिता सोनम वांग्याल एक राजनेता थे और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्री रह चुके थे। उनके भाई पी वांग्याल भी एक राजनेता हैं और लेह स्थित लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के उपाध्यक्ष हैं। उपद्रव के बाद के हालातों को तेजी से समझते हुए उन्होंने अनशन भी तोड़ा और शांति की अपील भी की। लेकिन केंद्र सरकार की तिरछी नजर वांगचुक पर पड़ चुकी है। उनके राजनीतिक इरादे और षड्यंत्र धीरे धीरे खुलने लगे हैं। केंद्र सरकार ने उनकी संस्था को विदेशी चंदा लेने पर रोक लगा दी है।

यह भी बताया जाता है कि लद्दाख के युवाओं और छात्रों के भीतर, बीते कुछ समय से, एक उबाल हिलोरें मार रहा था। वे लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और उसे छठी अनुसूची में रखने की मांग लगातार कर रहे थे। हालांकि 2019 में जब लद्दाख को केंद्र शासित क्षेत्र बनाया गया, तो पूर्ण राज्य बनाने का कोई राजनीतिक और प्रशासनिक आश्वासन नहीं दिया गया था। लद्दाख बहुत छोटा क्षेत्र है। उसकी आबादी करीब 2.75 लाख है। क्षेत्रफल 59,146 वर्ग किमी. है। राजधानी लेह के जिले में 113 छोटे-छोटे गांव हैं। कारगिल जिले में भी 98 गांव बताए जाते हैं। लद्दाख में बौद्ध धर्म सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। सभ्यता-संस्कृति भी काफी प्राचीन है। क्या भारत सरकार उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देगी, जबकि जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के ऐसे मांग-पत्र अब भी विचाराधीन हैं। केंद्र और लेह शीर्ष निकाय के बीच चार माह के अंतराल के बाद 6 अक्टूबर को बैठक तय थी, लेकिन उससे पहले ही यह हिंसक विरोध-प्रदर्शन कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आकांक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं।

सवाल है कि 'जेन ज़ी' की तर्ज पर छेड़े गए आंदोलन और हिंसक प्रदर्शन के जरिए लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाया जा सकता है? भारत नेपाल के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। हमें नहीं लगता कि लद्दाख जैसे छोटे-छोटे इलाकों में बसे क्षेत्र को एक स्वतंत्र राज्य बनाया जाए और फिर केंद्र सरकार अनुदान देकर उसे पालती-पोसती रहे। लद्दाख वासियों का शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था। लेकिन अब इस पर आनाकानी की जा रही है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है। असल सवाल यह है कि जो जायज मांगें हैं, सरकार को उन्हें मानना चाहिए। लेकिन अपनी मांगे मनवाने के लिए हिंसक हो जाना, आगजनी करने को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में जिनका विश्वास है, वो हिंसा से दूर रहते हैं। इसका मतलब है कि लद्दाख की हिंसा सोची समझी साजिश का नतीजा है। जांच एजेंसियों का इस हिंसा के पीछे चेहरों और नामों का खुलासा देशवासियों के समक्ष करना चाहिए। ताकि देश को सच्चाई का पता चलना चाहिए कि वो कौन लोग हैं जो अपनी राजनीतिक रोटियां या स्वार्थ पूरा करने के लिए युवाओं के कंधों का सहारा ले रहे हैं।

सवाल है कि 'जेन ज़ी' की तर्ज पर छेड़े गए आंदोलन और हिंसक प्रदर्शन के जरिए लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाया जा सकता है? भारत नेपाल के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। हमें नहीं लगता कि लद्दाख जैसे छोटे-छोटे इलाकों में बसे क्षेत्र को एक स्वतंत्र राज्य बनाया जाए और फिर केंद्र सरकार अनुदान देकर उसे पालती-पोसती रहे। लद्दाख वासियों का शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए। सोनम वांगचुक जैसे छद्म आंदोलनकारियों जिनके राजनीतिक स्वार्थ और पृष्ठभूमि किसी से छिपी नहीं है, से दूर ही रहना लद्दाख और लद्दाख वासियों के लिए श्रेयस्कर होगा।

नजरिया

भारत का इतिहास मात्र एक राजनीतिक यात्रा नहीं

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

भारत बहुत बड़ा देश है और बहुत बड़ा है इसका इतिहास। यह एक भौगोलिक सीमा मात्र नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक विस्तार है। यहाँ इतिहास की शिक्षा केवल एक अकादमिक अनुदेश न होकर सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय दृष्टिकोण और बहुलता में एकता का आधार भी है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में एक ही कालखंड में कई राजवंशों का शासन रहा है। इनके शासन की रीति-नीति और आर्थिकी में तमाम विभिन्नताएं रही हैं। वास्तव में भारत का इतिहास मात्र एक राजनीतिक यात्रा नहीं है, बल्कि विभिन्न मत, विचार, संघर्ष, सहअस्तित्व और निरंतर बदलाओं का दस्तावेज है।

इसी दृष्टि से एनसीईआरटी द्वारा वर्ष 2025-26 की सामाजिक विज्ञान की कक्षा सात और कक्षा आठ की किताब 'समाज की खोज : भारत और इसके आगे' के इतिहास वाले खण्ड में कतिपय परिवर्तन किए गए हैं। इसके अंतर्गत दिल्ली सल्तनत, मुगल काल और मध्य युगीन इतिहास से सम्बन्धित अध्यायों में कटौती की गई है। जबकि गुरुकुल परम्परा, प्राचीन गणराज्य, तीर्थयात्रा संस्कृति, स्थापत्य कला और मराठा शक्ति के उदय को जोड़ा गया है। कुछ तथ्यात्मक परिवर्तन हुए हैं, जिसके अंतर्गत बाबर को क्रूर, नृशंस और मंदिरों का विध्वंशक बताया गया है। अकबर आरम्भ में हिंसक था, उसने चित्तौड़ में तीस हजार नागरिकों का निर्दयता से वध करवा दिया था। बाद में वह धीरे-धीरे उदार हो गया था। इस क्रम में सल्तनत काल (1206 से 1526) को राजनीतिक अस्थिरता, नृशंसता, मंदिरों और शिक्षा केंद्रों के विध्वंश का दौर कहा गया है। इस बदलाव को भगवाकरण और पुनरुत्थानवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। मध्यकाल के मुस्लिम शासकों के इतिहास को कम करके एक विशेष सांस्कृतिक दृष्टिकोण को प्रधानता देने की बात की जा रही है, जो भारत की बहुलतावादी परम्परा के लिए ठीक नहीं है। फिलहाल यह गर्मागर्म बहस का मुद्दा बन चुका है।

इतिहास की शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में आलोचनात्मक विवेक, तुलनात्मक दृष्टिकोण और प्रमाणयुक्त विश्लेषण की क्षमता का विकास होता है। पाठ्यक्रम में कुछ खास राजवंशों, स्थानीयता या समुदायों को प्रमुखता मिलती है और तमाम राजवंश, क्षेत्र और विचार उपेक्षित रहते हैं, तो शिक्षा ज्ञान के बजाय एक विचारधारा की वाहक बन जाती है। लम्बी गुलामी और औपनिवेशिक प्रभावों के कारण भारतीय ज्ञान परम्परा, सांस्कृतिक पहचान और देशज मूल्यों को पिछड़ापन या आधुनिकता के अवरोधक के रूप में देखा जाता रहा है। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विद्यार्थी केवल विदेशी आक्रमणकारी, सत्ता संघर्ष और युद्धों का इतिहास पढ़ने के साथ ऋषि-परम्परा, भक्ति आन्दोलन, वेद-उपनिषद की वैचारिक गहराई, आदिवासी ज्ञान परम्परा, लोक जीवन और स्त्री दृष्टिकोण को भी जाने-समझें। ध्यातव्य है कि यह पौराणिक आस्था से प्रेरित गौरवगाथा के रूप में न होकर विद्वतापूर्ण विवेचन पर आधारित हो।

"इतिहास अतीत का आईना ही नहीं होता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की पहचान, ष्टि और आत्मगौरव का आधार भी बनता है। अफसोस की बात है कि हमारे इतिहास के केंद्र में आक्रान्ताओं की वीरता और हमारी गुलामी की दीनता है। गजनवी, गोरी, खिलजी, बाबर, औरंगजेब की तलवार की चमक और मुस्लिम बादशाहों के दरबार की शान-शौकत के बीच हमारे बच्चे अपने को पराजित, निरीह और तुच्छ कौम का वारिस समझने के लिए विवश हैं।

पाठ्यक्रम निर्धारण मूलतः सतत संवाद की प्रक्रिया है। क्या और कितना पढ़ाया जाए, इसे अकादमिक विमर्श के अनुसार तय होना चाहिए। यह मूलतः राज्य, शिक्षक, इतिहासविद और समाजविज्ञानियों का विषय है। इसमें निजी आग्रह का कोई अर्थ नहीं है। बेशक दिल्ली सल्तनत, मुगलकाल, सूरी वंश हमारे इतिहास का एक हिस्सा है। मगर देश का इतिहास दिल्ली दरबार तक ही सीमित है, यह सोच गलत है। वैदिक काल, बौद्ध गणसंघ, मौर्य, कुषाण, शुंग, मेघवाहन, गुप्त, चोल, चेर, कलचुरी, चेदि, चालुक्य, पाल, मौखरि, अहोम, पल्हव, सातवाहन, पाण्ड्य, मराठा शक्ति, मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन भी हमारे इतिहास का हिस्सा है। इनको इतिहास की पुस्तकों में वह स्थान नहीं मिला है, जो मिलना चाहिए था।

इतिहास के नाम पर मामलुक (गुलाम वंश), खिलजी, तुगलक, सैयद, लोधी, सूरी और मुगल शासकों की गाथाएं ही नहीं पढ़ाई जानी चाहिए। राणा प्रताप, शिवाजी, बंदा सिंह बहादुर, दक्षिण का विजयनगर साम्राज्य भी हमारे इतिहास के मान विंदु हैं। शिवाजी केवल एक योद्धा ही नहीं थे, वह भारतीय राष्ट्रवाद की जीवंत प्रतिमा थे। उनकी युद्धनीति, प्रशासनिक कौशल और धर्मनिरपेक्ष व्यवहार ने उस दौर में राजनीति की अस्मिता को एक नया प्रतिमान दिया था। वह सदैव ध्यान रखते थे कि किसी भी धार्मिक स्थल पर हमला न किया जाये। सिक्ख गुरुओं की गौरव गाथाएं हमें बताती हैं कि वह संत के साथ-साथ राष्ट्र पुरुष भी थे, जो अपनी आन के लिए जान की बाजी लगाने में कभी पीछे नहीं रहे। मुगलों द्वारा सिक्ख गुरुओं का उत्पीड़न और उनका अदम्य साहस क्या इतिहास में उचित स्थान प्राप्त कर सका है? इसका सीधा जवाब नकारात्मक ही होगा।

चोल और पाण्ड्य राजवंश के वैदेशिक सम्बन्ध और सामुद्रिक शक्ति के विषय में बहुत कम पढ़ाया जाता है, जबकि इस पर पूरा एक अध्याय होना चाहिए। सातवाहन वंश की विश्व की पहली राजरानी नाग्निका, कश्मीर के शासक लालितादित्य, कश्मीर की ही दिद्दा रानी के सम्बन्ध में कितना पढ़ाया जाता है ? महिला नायक तारा बाई, अहिल्याबाई होल्कर, रानी दुर्गावती, रानी अबक्का या त्रावणकोर के मार्तंड वर्मा को इतिहास में स्थान देना मूलतः देर से उठाया गया उचित कदम है। मार्तंड वर्मा ने तो अपने राज्य को भगवान पद्मनाभ को समर्पित कर दिया था और उनके प्रतिनिधि के रूप में राज्य किया। सेना का आधुनिकीकरण, विदेशी व्यापार का विस्तार के साथ-साथ उन्होंने कोलाचेल की लड़ाई में डचों को बुरी तरह पराजित किया था।

भारत की सांस्कृतिक ज्ञान परम्परा और कौशल विरासत' का एक खण्ड इतिहास में लम्बी प्रतीक्षा के बाद अपना स्थान प्राप्त कर पाया है। जन जातीय विद्रोह इतिहास का एक हिस्सा है और आदिवासियों की बुलंद आवाज बिरसा मुंडा भी हमारे नायक हैं। हम इनके विषय में क्यों न जानें ? चाणक्य, वर्षकार, नागार्जुन, पतंजलि, शंकराचार्य, कपिल, मैत्रेयी, लोपमुद्रा जैमिनी, बादरायण, गौतम बुद्ध, पार्श्वनाथ, महावीर के बीच हमारे दर्शन के इतिहास के सूत्र बिखरे हैं। क्या इनके विषय में पाठ्यक्रम में पर्याप्त सामग्री है ? यदि नहीं, तो यह इतिहास का एक असंतुलन है, इसे खत्म करना विशेष सांस्कृतिक दृष्टिकोण को प्रधानता देना कैसे हो सकता है? नालंदा, तक्षशिला, वल्लभी, ओदन्तपुरी, पुष्पगिरि जैसे शिक्षा केंद्रों और उनके आचार्यों का भी एक इतिहास है। कणाद, चरक, कात्यायन, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य, कल्हण के विषय में पढ़ाया जाना सांस्कृतिक आक्रमण नहीं, बल्कि परम्परा की पहचान का एक प्रयास है।

इतिहास अतीत का आईना ही नहीं होता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की पहचान, दृष्टि और आत्मगौरव का आधार भी बनता है। अफसोस की बात है कि हमारे इतिहास के केंद्र में आक्रान्ताओं की वीरता और हमारी गुलामी की दीनता है। गजनवी, गोरी, खिलजी, बाबर, औरंगजेब की तलवार की चमक और मुस्लिम बादशाहों के दरबार की शान-शौकत के बीच हमारे बच्चे अपने को पराजित, निरीह और तुच्छ कौम का वारिस समझने के लिए विवश हैं।

इस हालत में वह स्वाभिमान और स्वतंत्र सोच कैसे विकसित कर पाएंगे? आज आवश्यकता है, एक नए भारत के निर्माण की। ऐसा भारत जो अपने अतीत में झाँककर अपमानित न महसूस करे, बल्कि गर्व की अनुभूति कर सके। इसके लिए शिक्षा नीति, पाठ्य पुस्तक समिति और शैक्षिक अकादमियों को पूर्वजों की गाथाएं, उनकी उपलब्धियों, देशज ज्ञान-विज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही होगा। यह कोई साम्प्रदायिक कार्य नहीं है, बल्कि इतिहास के इस पुनर्जागरण से हम एक आत्मनिर्भर, समावेशी और गौरवयुक्त भारत की नींव रख सकेंगे। यह एक राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का विषय था, जो अब कार्य रूप में परिणत होना आरम्भ हुआ है। हमें इसके लिए सदैव सचेत रहना होगा कि हमारे नायक विस्मृति के गर्त में न जाने पाएं। क्योंकि जो देश अपने नायकों को भूल जाता है, वह अंततः स्वयं भी समय की धुंध से अपनी रक्षा नहीं कर पाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पुतिन से यूक्रेन योजना मांगे जाने संबंधी नाटो प्रमुख के दावे को भारत ने पूरी तरह से बेबुनियाद बताया

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को नाटो महासचिव मार्क रुट की इस टिप्पणी को पूरी तरह से बेबुनियाद बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन किया और भारत पर अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) के प्रभाव के मद्देनजर यूक्रेन पर मॉस्को की रणनीति के बारे में पूछा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऐसी अटकलें या लापरवाही भरी टिप्पणियां, जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी भी तरह से गलत तरीके से पेश करती हैं या ऐसी बातचीत होने का दावा करती हैं, जो कभी हुई ही नहीं, अस्वीकार्य हैं। रुट ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान सीएनएन को बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ का रूस पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है और नई दिल्ली पुतिन से फोन पर बात कर रही है। उन्होंने दावा किया, और नरेन्द्र मोदी उनसे यूक्रेन पर अपनी रणनीति बताने के लिए कह रहे हैं क्योंकि भारत पर टैरिफ का असर पड़ रहा है।

जायसवाल ने कहा कि नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) प्रमुख का बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह से बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी सुझाए गए तरीके से राष्ट्रपति पुतिन से बात नहीं की। ऐसी कोई बातचीत हुई ही नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम नाटो जैसे महत्वपूर्ण संगठन के नेतृत्व से सार्वजनिक बयानों में अधिक जिम्मेदारी और सटीकता बरतने की उम्मीद करते हैं। जायसवाल ने कहा कि भारत का तेल आयात भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करने के लिए है। उन्होंने कहा, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की हिफाजत के लिए सभी आवश्यक उपाय करना जारी रखेगा।

सेवामुक्ति समारोह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के साथ शुक्रवार को चंडीगढ़ में मिग-21 के सेवामुक्ति समारोह में।

रूस की रणनीति बदलने से यूक्रेन के लिए युद्ध रेखा का दायरा बढ़ता जा रहा है : शीर्ष कमांडर

कीव। यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर का कहना है कि यूक्रेन में 'फ्रंट लाइन' (युद्ध रेखा) का दायरा लगभग 1,250 किलोमीटर तक बढ़ गया है, जिससे कीव की सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत हो गई है, जबकि रूसी सेना यूक्रेनी सीमा में घुसपैठ करने के लिए छोटे हमलावर समूहों के झुंड भेजने की नई रणनीति अपना रही है। जनरल ओलेक्सेंडर सिरस्की ने युद्ध क्षेत्र की स्थिति की समीक्षा में कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में संपर्क रेखा लगभग 200 किलोमीटर तक बढ़ गई है, और यूक्रेनी सेना रूस की बड़ी सेना के साथ हर दिन औसतन 160 से 190 मोर्चों पर मुकाबला कर रही है। उन्होंने कहा कि साथ ही, गर्मियों की शुरुआत से ही रूसी रणनीति बड़े पैमाने पर आक्रमण से बदलकर छोटे हमलावर समूहों को तैनात करने की ओर बढ़ गई है। घटनाओं के बारे में उनके बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी तथा रूसी अधिकारियों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

रूसी सेना अपनी विशाल संख्या और ड्रोन, मिसाइलों, तोपों और विनाशकारी ग्लाइड बमों की लगातार बौछारों से यूक्रेन को घेरने की कोशिश कर रही है। हालांकि वे ग्रामीण इलाकों में यूक्रेनी बलों को धीरे-धीरे पीछे धकेलने में कामयाब रहे हैं, लेकिन रूसी सेना उन शहरों पर कब्जा करने में नाकाम रही है जहां यूक्रेनी सेना की मजबूत उपस्थिति है।

सिरस्की ने कीव में संवाददाताओं से कहा कि रूस लगभग चार से छह सैनिकों के छोटे-छोटे आक्रमण समूहों को बड़ी संख्या में तैनात कर रहा है, जो अग्रिम पंक्ति में घुसते हैं और फिर यूक्रेनी इलाकों पर हमला करते हैं, जिससे आपूर्ति नेटवर्क और सैन्य गतिविधियां बाधित होती हैं। उन्होंने दावा किया कि हाल में रूसी ठिकानों के खिलाफ यूक्रेन की कार्रवाई में 168 वर्ग किलोमीटर भूमि पर पुनः नियंत्रण हासिल कर लिया गया है।

ब्रिटेन में काम पाने के लिए लोगों को डिजिटल पहचान पत्र पेश करना होगा

लंदन। ब्रिटेन में नागरिकों और स्थायी निवासियों को काम पाने के लिए अनिवार्य डिजिटल पहचान पत्र पेश करना होगा। ब्रिटिश सरकार ने शुक्रवार को यह घोषणा की।सरकार ने कहा कि इस योजना से लोगों के लिए अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे अवैध आव्रजन में कमी लाने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह भी कहा कि इससे लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा, कल्याणकारी योजनाओं, बाल देखभाल और अन्य सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी।प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा, इससे देश में अवैध रूप से काम करना मुश्किल हो जाएगा और हमारी सीमाएं अधिक सुरक्षित हो जाएंगी। और इससे आम नागरिकों को अनगिनत लाभ भी मिलेंगे, जैसे कि वे प्रमुख सेवाओं तक शीघ्र पहुंच हासिल करने के लिए अपनी पहचान साबित कर सकेंगे और इसके लिए उन्हें पुराने उपयोगिता बिल के वास्ते नहीं भटकना पड़ेगा।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन में आम नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य नहीं है और यह विचार लंबे समय से विवादास्पद रहा है। नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं का तर्क है कि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और लोगों की निजी जानकारी के दुरुपयोग का खतरा बढ़ाता है।

मिजोरम में सुनहरे बालों वाला चमगादड़ मिला, भारत में पहली बार पाया गया

शिलांग/भाषा। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के वैज्ञानिकों ने मिजोरम में सुनहरे बालों वाले चमगादड़ की खोज की है जिसकी नाक घूमे हुए ट्यूब जैसी है। चमगादड़ की यह दुर्लभ प्रजाति पहली बार देश में पाई गई है। जेडएसआई ने एक बयान में कहा कि मिजोरम में आइजोल जिले के हमयूफांग गांव के जंगल में चमगादड़ों के शोधकर्ता डॉक्टर उत्तम सैकिया को चमगादड़ जीवों पर व्यवस्थित सर्वेक्षण करने के दौरान यह प्रजाति मिली। इस पर विस्तृत तुलनात्मक अध्ययन के लिए डॉ सैकिया ने 'हंगेरियन नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम' के डॉ गैबोर सेसोरबा, जिनेवा के 'नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम' के डॉ. मैनुअल रुएदी और 'नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन' के डॉ रोहित चक्रवर्ती के साथ मिलकर काम किया।विदेश में संग्रहालयों के नमूनों की जाँच और मिजोरम के नमूने का डीएनए विश्लेषण करने के बाद, टीम ने इस प्रजाति की पुष्टि सुनहरे बालों तथा ट्यूब की तरह नाक वाले चमगादड़ (हार्पियोला आइसोडॉन) के रूप में की। शोधकर्ताओं ने मिजोरम के लुंगलेई ज़िले के सैरेप गाँव से पहले इकट्ठा किए गए एक पुराने नमूने का भी अध्ययन किया, और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह भी इसी प्रजाति का है। इस नमूने को ज़ेडएसआई कोलकाता में संरक्षित कर रखा गया था। सुनहरे बालों तथा ट्यूब की तरह नाक वाले चमगादड़ को पहली बार 2006 में ताइवान में खोजा गया था, और फिर इसे दक्षिणी चीन और वियतनाम में भी देखा गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, समझा जाता है कि यह पहाड़ी जंगलों में पाई जाने वाली प्रजाति है और लाओस, कंबोडिया, थाईलैंड और म्यांमार जैसे देशों में उपयुक्त निवासों में इसके होने की संभावना है।

संवाद

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को पटना के सदाकत आश्रम में महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान पार्टी समर्थकों के साथ।

जीवन में दूसरे मौके बहुत महत्वपूर्ण होते हैं : अनुपम खेर

मुंबई/भाषा। अभिनेता-फिल्म निर्माता अनुपम खेर का कहना है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जो दूसरे मौके में गहरा विश्वास रखते हैं और यही कारण है कि वह अपनी फिल्म ''तन्वी द ग्रेट'' को एक बार फिर दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। फिल्म अब दोबारा सिनेमाघरों में 26 सितंबर को रिलीज की जाएगी। नवोदित अभिनेत्री शुभांगी दत्त की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म से अनुपम खेर ने निर्देशक के रूप में वापसी की है। इससे पहले उन्होंने 2002 में आयी फिल्म ''ओम जय जगदीश'' का निर्देशन किया था। फिल्म एक युवा ऑटिस्टिक महिला की भावनात्मक यात्रा को दर्शाती है, जो अपने दिवंगत पिता के सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और यह सपना दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में तिरंगा फहराना है। खेर ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि जीवन में दूसरे मौके बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। पहले मौके से हम निराश हो जाते हैं, लेकिन जीवन हमेशा आशावादी होना चाहिए।''

यह फिल्म पहली बार जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब इसे 17 से 20 शहरों में फिर से रिलीज किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''एक समय में एक ही शो। और फिर देखेंगे कि यह कैसा प्रदर्शन करती है। जोखिम केवल एक सप्ताह का है, लेकिन इनाम 10 सप्ताह तक मिल सकता है।'' यह पूछे जाने पर कि उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के प्रदर्शन का सामना कैसे किया, तो खेर ने कहा, ''मैं परेशान था, दुखी था और रोया भी था। यदि आप किसी भी चीज के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और आपको मनमुताबिक परिणाम नहीं मिलता है, तो आपको दुख होता है। लेकिन मेरा मानना है कि हार न मानें।''

फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला मोहित सूरी की ''सैय्यारा'' से हुआ, जो जबरदस्त हिट रही और 560 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की।

खेर ने कहा कि वह फिल्म को सिनेमाघरों में वापस ला रहे हैं क्योंकि इसे दुनिया भर के कई लोगों ने सराहा है, जिसमें उनके दोस्त और ''सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक'' के सह-कलाकार रॉबर्ट डी नीरो भी शामिल हैं, जो फिल्म के न्यूयॉर्क प्रीमियर में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद नहीं खोता। मैंने 40 साल केवल सफलता पर ही नहीं बिताए हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि मैं अपनी असफलताओं की सफलता की कहानी हूं।'' अभिनेता ने कहा, ''हमने एक खूबसूरत फिल्म बनायी है और इस पर सभी की अच्छी प्रतिक्रिया मिली, इसलिए मुझे लगता है कि हमें बहुत सीमित तरीके से फिर से प्रयास करना चाहिए।'' अभिनेत्री शुभांगी ने कहा कि वह ''तन्वी'' फिल्म में दर्शकों के सामने अपना अभिनय दिखाने का एक और मौका पाकर खुश हैं।

फिल्म 'कौर वर्सेज कोर' में डबल रोल में नजर आयेंगी सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर फिल्म कौर वर्सेज कोर में डबल रोल में नजर आयेंगी। सनी लियोनी इन दिनों एक एआई फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म में वह लीड रोल में नजर आने वाली हैं।सनी लियोनी की फिल्म का नाम 'कौर वर्सेज कोर 'है। इस फिल्म को पैपराजी एंटरटेनमेंट कंपनी के बैनर तले बनाया जा रहा है और मेकर्स ने इस फिल्म को भारत की पहली एआई फीचर फिल्म कह रहे हैं। सनी इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं। एक किरदार इंसानी सुपर हीरो का होगा और दूसरा एआई अवतार होगा।

सनी लियोनी ने बताया कि उन्होंने आठ साल पहले 'कोर' का किरदार रचा था लेकिन उसे पूरा रूप एआई तकनीक ने ही दिया। फिल्म के निर्माता अजींक्य जाधव का कहना है कि यह कहानी परंपरा और भविष्य को जोड़ने का प्रयास है और यही भारतीय सिनेमा को दुनिया के सामने नई पहचान देगा। सनी लियोनी की एआई कौर वर्सेज कोर वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार से पूछा 'मस्का लगा रहे हो?'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार से एक सवाल पूछा है। काजोल ने अक्षय कुमार की इंस्टा स्टोरी का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उनसे पूछा, मस्का लगा रहे हो? दरअसल, गुरुवार को अक्षय कुमार ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना और काजोल को उनके नए टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का एक वीडियो साझा किया था। प्रीमियर एपिसोड का वीडियो शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने दोनों को बधाई दी। इस क्लिप में काजोल सलमान खान और आमिर खान से पूछ रही हैं कि वह दोनों अच्छे दोस्त कैसे बने? वीडियो शेयर करते हुए अक्षय ने लिखा, मजेदार, दिल को छू लेने वाला और ढेर सारी कहानियों से

भरा जो आपने पहले कभी नहीं सुनी होंगी, ऐसा ही होता है जब ट्विंकल खन्ना और काजोल साथ होते हैं। पहला एपिसोड आ गया है, जाकर देखें, यह वाकई टू मच है! उनकी इसी पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट काजोल ने अपनी इंस्टा स्टोरी में लगाते हुए लिखा, मस्का लगा रहे हो? वैसे अक्षय कुमार शुरू से ही इस टॉक शो का प्रमोशन अपने सोशल मीडिया अकाउंट से करते रहते हैं। काजोल का इशारा इसी तरफ था। अक्षय कुमार ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें काजोल और ट्विंकल ने अपने शो में आमिर खान और सलमान खान की दोस्ती पर सवाल किया था। इसका जवाब देते हुए सलमान खान कहते हैं, हमारी दोस्ती पहले से ही गहरी थी, इसकी शुरुआत 'अंदाज अपना-अपना' के सेट से हुई थी। तब यह 7 बजे ही सेट पर आ जाता था और मैं 9 बजे। आमिर खान ने बताया कि, दरअसल, मुझे लगता है कि यह तब हुआ जब मेरा रीना से तलाक हुआ था। आपको याद है? आप डिनर पर आए थे और तब सलमान और मैं पहली बार एक-दूसरे से ठीक से जुड़े। क्योंकि उससे पहले मुझे लगता था कि भाई टाइम पर नहीं आता, हमको बहुत प्रॉब्लम होती थी, 'अंदाज अपना अपना' फिल्म के सेट पर।

ओटीटी पर दस्तक देगी 'धड़क-2'

नई दिल्ली/एजेन्सी

ओटीटी दर्शकों का फेवरेट प्लेस बन चुका है, जो फिल्म आप सिनेमाघरों में नहीं देख सकते, उसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सब्सक्रिप्शन के साथ देख सकते हैं। नेटफ्लिक्स ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर धड़क-2 के रिलीज की जानकारी दी है। धड़क-2 का पोस्टर शेयर कर लिखा गया- दो दुनिया...दो दिलऔर बस एक धड़क...26 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर धड़क-2 देखें। पोस्टर के साथ फिल्म को लेकर फैंस के बीच बज बन गया है। फैंस फिल्म को देखने के लिए कल तक का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह, आखिरकार फिल्म देखने के लिए उत्साहित हूंट्रेलर ने मुझे बांधे रखा और मुझे कलाकार बहुत पसंद आए। एक दूसरे यूजर ने लिखा, थैंक्स, नेटफ्लिक्स...मैं इस फिल्म का इंतजार कब से कर रही थी। इस वीकेंड ओटीटी पर धड़क-2 के

अलावा सन ऑफ सरदार 2, जनावर-द बीस्ट विदिन और मृगया द हंट भी रिलीज होगी। बात अगर फिल्म धड़क-2 की करें तो फिल्म का हाल सिनेमाघरों में अच्छा नहीं रहा था। फिल्म अपना बजट तक निकालने में कामयाब नहीं रही। अब मेकर्स ने फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने का फैसला लिया है। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं।फिल्म एक प्योर और इंटेंस रोमांटिक ड्रामा है। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी एक छोटी जाति के लड़के हैं, जो कॉलेज में पढ़ाई के जरिए अपनी पहचान बनाना चाहते हैं लेकिन उन्हें ऊंची जाति की लड़की तृप्ति से प्यार हो जाता है। दोनों की जाति ही दोनों के प्यार की मुश्किलों को बढ़ा देती है। फिल्म में प्यार, डर और एक्शन तीनों हैं। फिल्म में कुछ हिंसक सीन भी हैं, जिन्हें देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

फिल्म 'जटाधारा' ने आध्यात्मिक भव्यता के साथ रिलीज़ किया अपना पहला दिव्य ट्रैक सोल ऑफ जटाधारा

मुंबई/एजेन्सी

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा एक महाकाव्यात्मक स्पेक्टेकल जटाधारा के साथ बड़े पर्दे पर धमाका करने को तैयार हैं। टीज़र, पोस्टर्स से लेकर 7 नवंबर 2025 की रिलीज़ डेट अनाउंसमेंट तक, दर्शकों में फिल्म को लेकर ज़बरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे कि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा अब आगे क्या सरप्राइज़ लेकर आएंगे, और इसी उम्मीदों को नई ऊँचाइयों पर ले जाते हुए मेकर्स ने फिल्म का पहला ट्रैक 'सोल ऑफ जटाधारा' लॉन्च कर दिया है।

'सोल ऑफ जटाधारा' के साथ अब प्रमोशन्स भी ज़ोर-शोर से शुरू हो गए हैं और यह दमदार ऑडियो झलक दर्शकों में पहले से ही सकारात्मक ऊर्जा और उम्मीदें जगाने लगी है। राजीव राज द्वारा कंपोज़ और गाया गया यह ट्रैक रॉ एनर्जी और आध्यात्मिक गहराई लिए हुए है, जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है।

जटाधारा में सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला, सुबलेखा सुधाकर और कई कलाकार नज़र आएंगे। फिल्म अच्छाई बनाम बुराई, रोशनी बनाम अंधकार और मानव इच्छाशक्ति बनाम ब्रह्मांडीय नियति की अविस्मरणीय टक्कर का वादा करती है।

ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है।

फिल्म के सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं, वहीं क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार संगीत ज़ी म्यूज़िक को द्वारा प्रस्तुत किया गया है। गौरतलब है कि 'जटाधारा' 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु, दोनों भाषाओं में रिलीज़ होगी! 'सोल ऑफ जटाधारा' फिल्म का परफेक्ट टोन सेट करता है। पारंपरिक संगीत और दिव्यता के मिश्रण से यह गीत हमें जटाधारा की आत्मा और उसकी दुनिया में ले जाता है। इसके बीट्स बेहद प्रभावशाली हैं, गाना फिल्म की टोनैलिटी से पूरी तरह मेल खाता है और शुरुआत में गूंजते ॐ नमः शिवाय का मंत्र गहरी आध्यात्मिक अनुभूति कराते हैं।

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी का टीज़र पोस्टर रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल की आने वाली फिल्म द ताज स्टोरी का टीज़र पोस्टर रिलीज़ हो गया है। स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा की द ताज स्टोरी, को तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म में परेश रावल मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे।विकास राधेश्याम क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में जुड़े हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का टीज़र पोस्टर लॉन्च कर दिया है, जिसमें परेश रावल की झलक दिखाई गई है।यह फिल्म दर्शकों को दुनिया के सबसे प्रतीकात्मक स्मारक के रहस्यों की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। ताजमहल की संगमरमरी दीवारों और अनंत सुंदरता से परे एक ऐसी कहानी छुपी है जो रहस्य, इतिहास और अनुत्तरित सवालों से भरी हुई है।

फिल्म यह सवाल भी उठाती है क्या यह सचमुच शाहजहाँ की रचना है, या इस अजूबे में ऐसे राज़ छुपे हैं जिन्हें इतिहास ने कभी उजागर नहीं किया? परेश रावल के नेतृत्व में, फिल्म में जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। फिल्म का संगीत रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ तैयार कर रहे हैं। द ताज स्टोरी 31 अक्टूबर 2025 को पूरे देश में रिलीज़ के लिए तैयार है।

संजय दत्त ने किया महाकालेश्वर की भस्म आरती का दर्शन

उज्जैन/एजेन्सी

मुम्बई फिल्म उद्योग के प्रसिद्ध अभिनेता संजय दत्त ने गुरुवार प्रातःकाल भगवान श्री महाकालेश्वर की भस्म आरती में शामिल हुए और दर्शन लाभ प्राप्त किया। पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और डमरू की गूंज के बीच संजय दत्त ने विधि-विधान से पूजन किया और बाबा महाकाल से आशीर्वाद लिया।

पूजन-विधि पुजारी अर्पित गुरु और पुजारी यश गुरु द्वारा सम्पन्न कराई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी अभिनेता को अपने बीच देखकर उत्साह व्यक्त किया। आरती के बाद संजय दत्त ने कहा कि महाकाल की भस्म आरती का दिव्य अनुभव आत्मा को शांति और ऊर्जा प्रदान करता है। मंदिर प्रबंधन समिति के अधिकारियों ने उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद भेंट किया। दर्शन के दौरान संजय दत्त ने महाकाल लोक परिसर का भी अवलोकन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 27-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में आयोजित प्रवचन में आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि साधनाएं मनुष्य का सुरक्षा कवच होती हैं। जो कार्यसिद्धि साधनों से नहीं हो सकती, वह साधनाओं से हो सकती है।

प्रभावशाली बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे संतश्री सौभाग्यमुनि : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनिजी के पांचवें पुण्य स्मृति दिवस पर उनका गुणानुवाद करते हुए कहा कि सौभाग्यमुनिजी एक प्रभावशाली बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी सन्त थे। उन्होंने ज्ञान, दर्शन, चरित्र,तप साधना आदि के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए। सौभाग्यमुनिजी मेवाड़ की वीर भूमि के महान प्रतापी संत थे। उनका जीवन एक खुली किताब के समान था। अहंकार से कोसों दूर उनका जीवन सरल था। उनका चिंतन बहुत उदार तथा आत्म बल, प्रज्ञाबल बहुत मजबूत था। साधना, आराधना में गहराई लिए हुए उनका जीवन गंगा सा पावन और निर्मल था। सौभाग्य मुनि जी महाराज संगठन के पुजारी थे।

इस अवसर पर डॉ वरुणमुनिजी, रूपेश मुनिजी, साध्वीश्री निर्मलाजी, नंदिनीजी , सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी, समृद्धिश्रीजी, तरुणशीलाजी आदि ने गुण स्मरण करते हुए सौभाग्यमुनिजी व उपाध्याय मूलमुनिजी के संयमी जीवन पर सारगर्भित प्रकाश डाला। संचालन करते हुए शालिभद्र मुनिजी ने श्री सौभाग्य मुनि जी की सेवा में बिताए यादगार पलों को याद करते हुए कहा कि संतश्री ने अपने जीवन में सबको जोड़ने का काम किया। उन्हें नवदीक्षित साधु साध्वी के अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था में उनकी गहरी रुचि थी। वे दूरदृष्टा संयम साधना के सजग प्रहरी महान संत रत्न थे।

इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के महामंत्री महावीर चन्द मेहता सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

नवपद आराधना से आत्मबल, शांति और कल्याण की प्राप्ति : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन संघ में विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने नवपद आराधना में ग्रह साधना विषय पर आयोजित प्रवचन में कहा कि किसी को सुख देने से उसका प्रतिफल भी सुखदायी होता है और यदि किसी को दुःख, दर्द अथवा कष्ट पहुँचाया जाए तो उसका फल अवश्य ही दुखदायी होता है। अति उग्र भाव से किया गया पुण्य हो या पाप, उसका फल तत्काल मिलता है। जीव को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है, यह सृष्टि का शाश्वत नियम है। उन्होंने कहा कि पंचम आरे में साधु-संतों को कल्पवृक्ष' की उपमा दी गई है। उनके सत्संग और समागम से मनुष्य के पुण्य में वृद्धि होती है और अनेक पापकर्म नष्ट हो जाते हैं। नवपद आराधना

आत्मा को निर्मल, शांत और पवित्र बनाने का एक श्रेष्ठ उपाय है। नवपद की साधना से मन में श्रद्धा, करुणा और संयम की वृद्धि होती है। इससे साधक का चित्त स्थिर होकर आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होता है। जो मनुष्य सच्चे भाव से नवपद आराधना करता है, उसके जीवन में आत्मबल, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति अवश्य होती है। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संचालन किया।

नवरात्रि उत्सव में आशापुरा माताजी धाम में चल रहे हैं अनेक धार्मिक अनुष्ठान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा माताजी धाम में नवरात्रि महोत्सव के चतुर्थी के दिन भक्तिभाव से ओत-प्रोत धार्मिक कार्यक्रमों का

आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साहपूर्ण आगमन हुआ विशेष अनुष्ठान की शुरुआत गणपति भगवान के पूजन से हुई। गणपतिजी को विशेष 56 भोग अर्पित किए गए। इसके पश्चात सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से 108 नारियल चढ़ाकर मंगलकामना की और सामूहिक आरती सम्पन्न की। इसके बाद श्री खेतलाजी को भोग अर्पित कर आरती की गई। शाम को आशापुरा माताजी को 56 भोग अर्पित कर तथा 108 दीपकों की भव्य आरती की गई। दीपों की जगमगाहट और भक्तों की सामूहिक भक्ति से मंदिर परिसर का वातावरण अद्भुत और दिव्य हो गया। शनिवार को पंचमी के अवसर पर खेतलाजी को विशेष भोग अर्पित किया जाएगा और आरती के पश्चात सभी भक्त मिलकर तेल-सिंदूर अभिषेक करेंगे। नवरात्रि के दसों दिनों में यहाँ प्रतिदिन शतचंडी पाठ का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही प्रतिदिन माताजी का भव्य श्रृंगार एवं अलंकरण, विशेष भोग एवं आरती तथा सायंकालीन भक्ति का आयोजन हो रहा है।

साधना ही है मनुष्य का सुरक्षा कवच : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में आयोजित प्रवचन में आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि साधनाएं मनुष्य का सुरक्षा कवच होती हैं। जो कार्यसिद्धि साधनों से नहीं हो सकती, वह साधनाओं से हो सकती है। मंत्रजाप, तपस्या, ध्यान और पूजन-अनुष्ठान साधना के विविध आयाम हैं। जीवन में संसाधनों की बढ़ती मांग और अधीनता के बीच इन साधनाओं के महत्व और रहस्यों को समझने की बेहद आवश्यकता है। साधनाएं कालजयी होती हैं और जीवनभर हमारा पथ प्रशस्त कर सकती हैं। आधुनिक मनुष्य जितना धन-वैभव, शिक्षा, चिकित्सा, तकनीक, खानपान, मनोरंजन और आडंबर को महत्व देता है, उतना ही वह साधनाओं से अछूता है। मनुष्य के दुःखों और परेशानियों का यह भी एक महत्वपूर्ण कारण है।

साधनाएं मानसिक शांति और आंतरिक ऊर्जा की प्रदात्री हैं। सकारात्मक विचार, परहित चिंतन तथा आत्मविश्वास साधनाओं के द्वारा सहज प्राप्त होते हैं। साधना मनुष्य जीवन का सौभाग्य है। यदि हम साधनाओं के चमत्कारों की बातों पर विश्वास न भी करें, फिर भी आध्यात्मिक विकास, आंतरिक शक्तियों के जागरण, मानसिक एकाग्रता तथा ज्ञान व प्रज्ञा के प्रभाव का अनुभव करने के लिए जीवन में साधना की भूमिका बनाई जानी चाहिए।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि नवरात्रि, रविपुष्य, गुरुपुष्य और ज्ञानपंचमी जैसे योग साधनाओं के लिए श्रेष्ठ अवसर हैं ।भोग-विलास, इच्छा-तृष्णा और अंतहीन प्रतिस्पर्धा के इस विषम युग में दुःखों को कम करने का कोई उपाय है तो वह साधना ही है। जो परिणाम दवा से नहीं मिलते, वे दुआ से मिल सकते हैं। भारतीय संस्कृति में तपस्या, व्रत, भजन-कीर्तन, मंत्रजप, योग-प्राणायाम, ध्यान, प्रार्थना, पूजा-उपासना आदि आध्यात्मिक साधना के अनेक प्रकार बताए गए हैं। ये सभी चेतना की जागृति के कारक तत्व हैं।

एक बार जिनका मन साधना में रम जाता है, वे संसार की किसी भी वस्तु, व्यक्ति, भावना या परिस्थिति से अधिक प्रभावित नहीं होते। जीवन में स्थितप्रज्ञता, समभाव, साक्षीभाव अथवा ज्ञातादृष्टा भाव इसी प्रकार आता है। वही साधना की सिद्धि और जीवन की सार्थकता का मार्ग है। सरलता और पवित्रता साधना के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। समय समय पर पूरी एकाग्रता और रुचि से साधना की प्रक्रियाएं सीखनी चाहिए। सिर्फ डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, व्यापारी अथवा नेता-अभिनेता बनने के ख्वाब देखने से कुछ नहीं होगा, साधक बनना परम आवश्यक है। साधक ही सभी का सही मूल्यांकन और औचित्य का निर्धारण कर सकता है।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने बताया कि आश्विन शुक्ल पंचमी मणिभद्र इंद्रदेव का 513वां प्राकट्य दिवस है। साधना की सिद्धियों के आधार पर उन्होंने धर्मार्थियों की रक्षा कर समाज पर बहुत उपकार किए हैं। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि प्राचीन काल में अनेक प्रबुद्ध जैनाचार्यों और यतियों ने मणिभद्र इंद्रदेव की विधिपूर्वक साधनाएं कर अनेक सिद्धियां प्राप्त की थी। आज भी गुजरात, कच्छ, काठियावाड़, मारवाड़, मेवाड़ और मालवा में अवस्थित इनके जागृत शक्तिपीठ लाखों श्रद्धालुओं की श्रद्धा और भक्ति के केंद्र हैं। अध्यक्ष पंकज बाफना ने शनिवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित प्रोफेशनल सम्मेलन की जानकारी दी।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर को राष्ट्रीय स्तर पर मिला तृतीय स्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत दिनों अहमदाबाद में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 50वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'उर्ध्वारोहण' में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर को मंजु गादिया की अध्यक्षता में वर्ष 2023-25 में आयोजित हुए जनसेवा, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों का मूल्यांकन करते हुए नगर स्तर पर तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के मौके पर तेरापंथ भवन विजयनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि विजयनगर मंडल आध्यात्मिक हो या फिर सामाजिक, हर क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है।

मंडल ने बहुत कम समय में अच्छा विकास किया है किंतु अभी भी विकास का बहुत बड़ा आकाश बाकी है और हमें अपने पंखों के साथ इसमें उड़ान भरनी है। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने कार्यकाल में हुए विभिन्न कार्यक्रमों के लिए मिले पुरस्कारों की श्रृंखला का विवरण देते हुए बताया कि मंडल को इसके अलावा अन्य वर्गों में भी पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। मंजू गादिया ने अपनी पूरी टीम को शुभकामना देते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर अभातेममं की सहमंत्री मधु कटारिया, सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, युवक परिषद के अध्यक्ष विकास बांठिया, महिला मंडल की अध्यक्ष महिमा पटावरी आदि ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की नव निर्वाचित सहमंत्री मधु कटारिया एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रुचिका पटावरी का सम्मान किया गया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने संचालन किया तथा पूर्व मंत्री दीपिका गोखरू ने धन्यवाद दिया ।

अलसूर में शुरू हुआ त्रिदिवसीय शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में एवं साध्वी शशिप्रभाजी के सान्निध्य में जैन भवन में शुक्रवार को 'डिजाइन योर लाइफ' विषय पर त्रिदिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ जिसमें तेरह वर्ष आयु से लेकर अविवाहित युवतियां इस शिविर में संस्कार, ज्ञान पर चर्चा करेंगे।

साध्वीश्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि समय के सदुपयोग के लिए शिविर आयोजित होता है। उन्होंने बच्चियों की समस्याओं को सुना और समाधान का रास्ता बताया। वृद्धिप्रभाजी ने बढ़ती नशाखोरी के दुष्परिणाम बताए और नशे के आकर्षण से बचने की सलाह दी। साध्वी ऋद्धिप्रभाजी ने जैन आगम और थोकडों का ज्ञान दिया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया, नेमीचंद चोरड़िया, संपत कुमार शर्मा ने शिविर का अवलोकन किया। दीपा बोहरा, सपना लोढ़ा, समता छाजेड़, राजेश्वरी तातेड़, मधु मकाना और प्रियंका कोठारी ने अध्यापन सेवा दी।

मुनि पुलकित कुमार ने कर्नाटक के राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

अणुव्रत समिति ने राज्यपाल को किया आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अणुव्रत समिति गांधीनगर के पदाधिकारियों ने मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के साथ कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार भेंट की। मुनि पुलकित कुमारजी ने राज्यपाल को आचार्यश्री तुलसी के अणुव्रत आंदोलन के बारे में जानकारी देते हुए कहा देश की आजादी के बाद जन जन तक नैतिकता सद्भावना, नशामुक्ति और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए 1949 में अणुव्रत आंदोलन प्रारंभ किया।

एक लाख किलोमीटर से भी ज्यादा पद यात्रा करते हुए जन जागरण की शिक्षा दी। आचार्य तुलसी का जन्म दिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर राज्यपाल के समक्ष सुरेश चावत ने मुनिश्री का परिचय दिया। पदाधिकारियों ने 25 अक्टूबर को आयोजित आचार्यश्री तुलसी की 112वीं जन्म जयंती 'अणुव्रत दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल को आमंत्रित किया। राज्यपाल ने नशामुक्ति अभियान में अणुव्रत समिति को हर संभव सहयोग देने का व समारोह में शामिल होने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, परामर्शक माणकचंद बलदोटा, मंत्री लाभेश कांसवा, प्रचार प्रसार मंत्री कविता पोरवाल एवं सहमंत्री सुरेश चावत आदि उपस्थित थे।

जिसके जीवन में धर्म नहीं, उसका जीवन व्यर्थ : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार में सब कुछ है पर धर्म नहीं है तो कुछ नहीं है। धर्म सार तत्व है। धर्म से ही जीवन का कल्याण होता है। संसार की बातों से हट कर मनुष्य को धर्म के बारे में जान लेना चाहिए। मनुष्य के पास धन-दौलत, नौकर-चाकर सब कुछ है लेकिन यह सब संसार तक ही सीमित है। इनके चक्कर में फंस कर अगर धर्म के बारे में नहीं जाना तो जीवन नर्क के मार्ग पर चला जाएगा। जब तक जीवन में धर्म नहीं आएगा तब तक सब बेकार है। मनुष्य कितना भी धंधा कर ले, कितना भी मौज मस्ती कर ले लेकिन धर्म के बिना सब बेकार है। मनुष्य घर से कहीं भी जाता है तो खाने पीने की व्यवस्था कर के जाता है लेकिन धर्म के लिए कुछ नहीं कर रहा है। राजा हो या रंक, सभी का कल्याण धर्म से ही होना है। संसार में जितना चाहो भटक लो, लेकिन भव का कल्याण बिना धर्म के नहीं होगा। धर्म कार्य संसार के साथ भी रहता है और संसार के बाद भी रहता है। मनुष्य के जाने के बाद धन दौलत काम नहीं आती। बल्कि धर्म ही काम आता है। जो सुख धर्म ध्यान में है वह धन में नहीं है। धन संसार तक ही सीमित रहेगा लेकिन धर्म भवों भवों तक साथ रहेगा। जो सुख प्रभु भजन में है वह अमीरी में नहीं है। फकीरी में सुख है, अमीरी में सुख नहीं है। जो जितना धनी होता है उसके पास समस्या भी उतनी ही होती है लेकिन फकीर मनुष्य मस्त रहता है। धर्म करने वाला मानव गरीबी में भी मस्त होता है। इसलिए कहते हैं पैसा हो न हो लेकिन धर्म कार्य होना ही चाहिए। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया।

सिद्धू की अजब-गजब शायरी पर मलाइका लिखेंगी किताब!

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने नवजोत सिंह सिद्धू की शायरी पर किताब लिखने की इच्छा जताई है। बहुप्रतीक्षित इंडियाज़ गॉट टैलेंट का नया सीज़न आखिरकार जल्दी शुरू होने वाला है, और मंच पर जोश, जुनून और जादू का माहौल है। नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और शान एक साथ आकर दर्शकों को प्रतिभा, ग्लैमर और मनोरंजन का शानदार संगम दे रहे हैं।जहां भारत की कुछ सबसे अजब टैलेंट्स मंच पर गजब मोमेंट्स रच रही हैं, वहीं सिद्धू अपनी अनोखी शैली में शायरी की बौछार कर माहौल को और भी रंगीन बना रहे हैं। प्रतियोगियों की सांसें रोक देने वाली प्रस्तुतियों के बाद सिद्धू की दिल से निकली शायरियां हर प्रस्तुति को यादगार बना देती हैं।

रूसी तेल का इस्तेमाल बंद करने से हमारी अर्थव्यवस्था 'बर्बाद' हो जाएगी' : हंगरी के प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल और गैस की खरीद रोकने की मांग किए जाने के बावजूद उनका देश रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदना जारी रखेगा। ओर्बन ने अपने सहयोगी देश अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को बताया कि रूसी ऊर्जा पर रोक लगाना हंगरी की अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी होगा। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोप के ज्यादातर देशों ने रूसी तेल और गैस की खरीद बंद कर दी है लेकिन हंगरी उन देशों में शामिल है, जो अब भी रूस से तेल और गैस खरीद रहा है। ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में हंगरी समेत नाटो के सभी देशों से अपील की थी कि वे रूसी तेल की खरीद बंद करें। ओर्बन ने सरकारी रेडियो को दिए एक बयान में कहा कि रूसी ऊर्जा पर रोक लगाना हंगरी की अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी होगा। ओर्बन ने कहा, मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा ... कि यदि हंगरी को रूसी तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति नहीं मिली तो एक मिनट के भीतर ही हंगरी की अर्थव्यवस्था प्रभावित होने लगेगी... इसका मतलब है कि हंगरी की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी। यूरोपीय संघ और ट्रंप प्रशासन के दबाव के बावजूद ओर्बन ने कहा कि ऊर्जा नीति के मामले में हंगरी केवल अपने हित को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि हंगरी के हित में क्या है और हम उसी के अनुसार कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, हंगरी और अमेरिका दोनों संप्रभु देश हैं। हमें एक-दूसरे के तर्क स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है।

आगामी वर्षीतप पारणा महोत्सव में सान्निध्यता प्रदान करेंगे आचार्य पार्श्वचन्द्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्रेयांश पारणा समिति के पदाधिकारी सिंधनूर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रमुनि के सान्निध्य में वर्ष 2025-26 के एकांतर उपवास वर्षीतप आराधकों के अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव हेतु सान्निध्य प्रदान करने का निवेदन करने पहुंचे। समिति के चेयरमैन रमेश सियाल ने निवेदन करते हुए कहा कि आचार्य पार्श्वचंद्रजी के सान्निध्य में गत अक्षय तृतीया पर 250 से अधिक तपस्वियों ने वर्षीतप का पारणा किया था। उससे उत्साहित होकर समिति द्वारा अब आगामी वर्ष में और भी विशाल रूप से अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है जिसमें आचार्यश्री की सान्निध्यता के निवेदन के साथ हम सिंधनूर आए हैं। जेके महावीरचंद चौरड़िया ने बताया कि इस वर्ष बेंगलूरु के लगभग 180 वर्षीतप तपस्वियों के पारणे के साथ ही पूरे भारत से 400 से अधिक एकान्तर उपवास के वर्षीतप तपस्वी आगामी अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में सम्मिलित होंगे। संतों ने एक बार फिर पारणा कार्यक्रम में सान्निध्यता प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान कर दी। इस खबर से पूरे बेंगलूरु जैन संघ में खुशी का माहौल छाया है। इस अवसर पर महावीरचंद श्रीश्रीमाल, राजेंद्र नाहर, भंवरीलाल चोरड़िया, कोमलचंद धोका, रोशनलाल नाहर आदि ने संतदर्शन किए। सिंधनूर संघ के पदाधिकारियों ने श्रेयांस पारणा समिति का स्वागत किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माजीसा भक्त मंडल ट्रस्ट द्वारा आरटी स्ट्रीट के निमिशांबादेवी कल्याण मंडप में चल रहे नवरात्रि महोत्सव में शामिल होने के लिए ट्रस्ट की साधिका ममताबाई व अन्य पदाधिकारियों ने मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत को आमंत्रण पत्र देकर निवेदन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com